

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

मोदी सरकार के अब तक के कार्यकाल में कई चौंकाने वाले इस्तीफे हुए, जिसमें मंत्री और शीर्ष पदों पर बैठे लोग शामिल हैं.

A photograph of Narendra Modi, Prime Minister of India, speaking at a dark blue podium. He is wearing a white shirt and a dark vest, and is gesturing with his right hand. The background is dark with some stage lights visible.

सबसे छोटा कार्यकाल था। पूर्व त्प गवर्नर रघुराम राजन ने उनके इस्तीफे को सरकार के खिलाफ विरोध का प्रतीक बताया था.ओ. सुजोता भल्ला: डॉ. भल्ला ने दिसंबर 2018 में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद से इस्तीफा दे दिया था.पी.सी. मोहनन और डॉ. जे. वी. मीनाक्षी: 28 जनवरी 2019 को, पी. सी. मोहनन ने आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (छातापदकषय रंइवनत ध्वतवम नैतअमल) को प्रकाशित न किए जाने के विरोध में राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, और उनके साथ सदस्य डॉ. जे.वी. मीनाक्षी ने भी इस्तीफा दे दिया था. दोनों का कार्यकाल जून 2020 में समाप्त होने वाला था.

राहुल का दावा, 'हिरासत में
की गई पिटाई', बोले— बांसुरी
से करेंगे डंडे का मुकाबला



भंजे, जब यह पूरा मामला खत्म हो जाएगा, तो हम उन सभी सबूतों को इस्तेमाल करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें सजा मिले, फिर चाहे वह पीएम नरेंद्र मोदी हों या ज्ञानेश कुमार या फिर अमिता राह हों या फिर वह कॉन्स्टेबल ही क्यों न हो जो हमारे बच्चों पर हाथ उठा रहा है। "उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए एक बांसुरी वादक को सामने लाया, उन्होंने कहा, "छंडा का प्रतीकात्मक जवाब है बांसुरी है। राहुल ने बांसुरी वादक समर का परिचय कराया, जिन्होंने छंडा को प्रतीकात्मक जवाब में बांसुरी पर दृष्टांत जन तो तेने कहिए भजन बजाया, समर ने बताया कि उन्हें पाँच

अक्टूबर को हिरासत में लिया गया और साढ़े कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मियों ने उनकी पिटाई की। समर ने कहा, "मुझे 11 अक्टूबर को हिरासत में लिया गया था, लेकिन बजरंग दल और आरएसएस के गुंडों ने पुलिस से हमें फकड़या दिया, मेरे पास उनका पहिचान है, इसमें वे लोग शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को लाठी और पथरों से धमका रहे हैं, ये सभी पुलिस के पास गए और उन्होंने हमें हिरासत में करवा दिया, हमारे फोन छीन लिए और उसे फॉर्मेट कर दिया, वहां कम से कम 15 महिलाएं थीं, 20 जुलाई को आरएसएस के एक जवान ने मुझे लाठी भी मारी थी, 'राहुल गांधी ने एक और स्वतंत्र को सामने लाया।

टेरर फंडिंग मामला: सुनवाई के दौरान यासीन मलिक को पेश नहीं करने पर जेल प्रशासन से रिपोर्ट तलब



The image shows the entrance to the Delhi High Court. On the left is a green sign with white text in Hindi and English. On the right is the circular emblem of the Government of India, featuring the Lion Capital of Ashoka.

रुपये का जुर्माना, धारा 38 और 39 के तहत पाँच साल की सजा और पाँच हजार रुपये का जुर्माना लगाया था, कोर्ट ने यसीन मलिक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी के तहत दस वर्ष की सजा और दस हजार रुपये का जुर्माना, धारा 121ए के तहत दस साल की सजा और दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया था, कोर्ट ने कहा था कि यसीन मलिक को मिली ये सभी सजाएँ साथ-साथ चलेंगी. इसका मतलब की अधिकतम उम्रकैद की सजा और दस लाख रुपये की सजा प्रमादी होगी. क्या है पूरा मामला

10 मई 2022 को यासीन मलिक ने पटियाला हाउस कोर्ट में अपना मुनाह कबूल कर लिया था। 16 मार्च 2022 को कोर्ट ने हाफिज साईद, सैयद सलाहुद्दीन, यासीन मलिक, शम्शीर शाह और मन्सूर आलम, राशिद इजी, नियर, जहूर अहमद यराली, बिहा काराटे, आफताफ अहमद शाह, अवतार अहम शाह, नईम खान, बशीर अहमद वहु ऊर्फ पीर सैफुल्ला समेत

रवि किशन का अखिलेश यादव पर हमला, विपक्ष को बताया
चुनावी मेंढक, छत्तीसगढ़ी फिल्म में काम करने की जताई इच्छा



को चुनौती दी और योगी जी ने उसे स्वीकार कर लिया। तो अब उन्हें पीछे नहीं हटना चाहिए, देश भी देखना चाहता है कि अखिलेश यादव इस चुनौती पर क्या कदम उठाते हैं 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव पर कहा समाजवादी पार्टी को बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ेगा और भाजपा बड़ी जीत हासिल करेगी, उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में उत्तर प्रदेश में बड़े बदलाव हुए हैं, पहले बिजली के बिल आते थे, लेकिन बिजली नहीं आती थी, प्रदेश में बाहुल्यियों और माफियाओं का प्रभाव था, लेकिन अब परिस्थितियाँ बदली हैं।

बिम्सटेक: ड्रग्स तस्करी को लेकर डार्क वेब ट्रांजैक्शन्स और गोल्डन ट्राएंंगल पर फोकस

नई दिल्ली: भारत ने बिस्मटेक सदस्य देशों के बीच हुई बैठक में सीमा पार ड्रग्स तस्करी को खत्म करने पर गहरी चर्चा की, इसमें ड्रग्स से जुड़े कैमिकल्स पर कंट्रोल कड़ा करने और डार्क वेब के जरिए ड्रग्स से जुड़े फाइनेंशियल ट्रान्जैक्शन को ट्रैक करने के लिए मजबूत क्षेत्रीय सहयोग की अपील की। साथ ही भारत ने संगठित अपराध की बढ़ती मुश्किलों और टेरेर फाइनेंसिंग के साथ इसके संभावित शिक की ओर भी इशारा किया है। नई दिल्ली में मंगलवार को बिस्मटेक के गृह मंत्रियों की पहली मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चेतावनी दी कि गैर-कानूनी ड्रग्स का बंधा सिर्फ एक क्रिमिनल काम नहीं है, बल्कि यह युवाओं, समाज और आने वाली पीढ़ियों की जिंदगी पर हमला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ड्रग्स की तस्करी को अलग-अलग देशों की कोशिशों से नहीं रोका जा सकता और उन्होंने मिलकर इसपर ध्यान देने की अपील की। घुस्रस बनाने में काम आने वाले कैमिकल और डार्क-वेब ट्रान्जैक्शन पर जोर देना इनतिष्ण जरूरी है क्योंकि इस बात की चिंता है कि ट्रांसनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट अपने काम को जारी रखने के लिए रिजनल स्पर्हाई चेन, डिजिटल प्लेटफॉर्म और गैर-कानूनी फाइनेंशियल चीनलों का फायदा उठा रहे हैं। शाह ने ड्रग्स तस्करी को 'वेब ट्रैफिकिंग' बताया और इस बात को स्वारिज कर दिया कि मादक पदार्थ तस्करी में कुछ भी 'गोल्डन' है। शाह

‘गोल्डन ट्राएंगल’ की बात कर रहे थे, जो उत्तर-पूर्वी म्यांमार, उत्तरी थाईलैंड और उत्तरी लाओस वाला इलाका है, शाह ने कहा कि इस समय घड़े से होने वाली कमाई संगठित अपराध को आर्थिक ताकत देती है और इसका इस्तेमाल आतंकी फंडिंग में भी किया जा सकता है, गृह मंत्री ने कहा, इसमें से जुड़े कैमिकल और डार्क वेब के जरिए किए जाने वाले ट्रांजिक्शन इस चुनौती को और मुश्किल बना देते हैं’ उन्होंने देश की सीमाओं के पार इंटरनेट पर शेरिंग, फाइनेंशियल जाच और मिलकर कार्रवाई करने की जरूरत पर जोर दिया, गोल्डन ट्राएंगल इलाके की सुख्खा के लिए बिता का विषय बना हुआ है, म्यांमार, लाओस और थाईलैंड के कुछ हिस्सों को शामिल करने वाला गोल्डन ट्राएंगल लंबे समय से गैर-कानूनी नशीले पदार्थों, खासकर सिंथेटिक ड्रग्स और ऑपियोइड्स, के परिवहन और

ट्रैफिकिंग से जुड़ा रहा है। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र इसकी नजदीकी इस इलाके में हो रहे डेवलपमेंट को भारत की अंदरूनी सुरक्षा और ड्रग्स—कंट्रोल की कोशिशों के लिए जरूरी बनाती है। म्यांमार के बॉर्डर इलाके की कानून लागू करने वाली एजेंसियों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गए हैं क्योंकि हथियारों की लड़ाई, मुस्लिम इलाका और खुली सीमाएं निगरानी और रोक-टोक का मुश्किल बना सकती है। ट्रैफिकिंग नेटवर्क इन हालातों का फायदा उठाकर नशीले पदार्थों को बॉर्डर पार ले जा सकते हैं और इलाके के सफाई रूट को बड़े घरेलू और इंटरनेशनल मार्केट से जोड़ सकते हैं। हालांकि गृह मंत्री ने मीटिंग में मोल्डन ट्राएंगल को खिलाफ कीया खास ऑपरेशन का ऐलान नहीं किया, लेकिन इलाके के तालमेल पर उनका जोर यह दिखाता है कि ड्रग ट्रैफिकिंग को अलग-अलग राष्ट्रीय सरकारों की एक सीरीज के मुकाम

साइबर फ्रॉड मामलों पर हैदराबाद के कमिशनर वी.सी. सज्जनार (जै) और साइबर क्राइम टीम

अमीर हुसैन, क्राइम व्यूरो चीफ यह न सोचें कि 'यह हम तक नहीं पहुँचेगा'... साइबर अपराधियों के जाल में न फँसें! हैदराबाद पुलिस लोगों की मेहनत की कमाई को बचाने के लिए साइबर अपराधियों के नए-नए तरीकों को नाकाम करते हुए लगातार मुरतब है। हम बार-बार इस बात पर जोर देते हैं कि हम सभी एक साइबर-मुक्त शहर बना सकते हैं जब नागरिक पूरी जागरूकता के साथ काम करें। हालाँकि, इस बात ने हमें झकझोर दिया है कि सोमवार को ही शहर में दर्ज तीन अलग-अलग मामलों में पीड़ितों ने साइबर अपराधियों के हाथों कुल 5.35 करोड़ रुपये गँवा दिए। मैंने व्यक्तिगत रूप से उन तीनों पीड़ितों से बात की जिन्हें इन घटनाओं में नुकसान उठाना पड़ा। हैरानी की बात यह है कि... तीनों ही बहुत पढ़े-लिखे हैं और समाज के बारे में अच्छी समझ रखते हैं। फिर भी, 'ऐसे घोटाले हम तक नहीं पहुँचेंगे' जैसी भोली-भाली सोच और अति-आत्मविश्वास के कारण, ये पहले ही ट्रॉजिकेशन से सतर्क नहीं रह पाए, जिसके परिणामस्वरूप इतनी बड़ी रकम का नुकसान हुआ। पीड़ितों की लापरवाही और अपराधियों द्वारा बुना गया धोखे का खतरनाक जाल इन तीन घटनाओं से साफ झलकता है। एक मामले में, शहर की एक प्रमुख बिजनेस फर्म के अकाउंटेंट ने एक अनजान जपि फाइल और एक् की कृ वाले नकली जे।चच मैसेज पर भरोसा कर लिया। इसे रोजमर्रा के ट्रॉजिकेशन में होने वाली सामान्य वृ प्रक्रिया समझकर उन्होंने 2.70 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर



दिए। यहाँ तक कि आठ दिनों तक वैसे वापस आते रहे और बैंक के मैनेजर भी आते रहे, लेकिन मैनेजमेंट का ध्यान इस पर नहीं गया, जो कि घोर लापरवाही है। एक अन्य घटना में, 72 वर्षीय महिला को डर, म् और मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर 'डिजिटल अरेस्ट' की धमकी देकर 20 दिनों तक डराया-धमकाया गया, जिससे गजबूर होकर उन्हें अपना सोना तक बेचना पड़ा और 2.12 करोड़ रुपये देने पड़े। इस बीच, विदेश में काम करने वाले और शहर लौटे एक जाने-माने डॉक्टर — जो पिछले एक दशक से शेयर बाजार में अनुभवी ट्रेडर रहे हैं — ईस्टाशम पर रोजाना 5 से 20 प्रतिशत मुनाफे का वादा करने वाले विज्ञापनों के झांसे में आ गए और एक फर्जी ट्रेडिंग ऐप में 52.51 लाख रुपये गंवा बैठे। माननीय मुख्यमंत्री, कृ और पुलिस विभाग की ओर से हम लगातार साइबर अपराधों के खधिलाफ चेतावनी जारी कर रहे हैं।

'अलर्ट हैदराबाद' — सेफ हैदराबाद अभियान के तहत, हमने सिर्फ एक साल में लगभग 11,417 जागरूकता सत्र आयोजित किए और शिक्षा के जरिए लगभग 5.08 लाख लोगों तक पहुँचे। फिर भी, जनता हमारी सलाह को बहुत हल्के में ले रही है। हम चाहे कितनी भी बार कहें कि हमारे देश के कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा कोई कॉन्सेप्ट नहीं है और कोई भी जाँच एजेंसी ऑनलाइन कैश की मांग नहीं करती, फिर भी लोग डर और घबराहट का शिकार हो रहे हैं। दूसरी ओर, बैंक अधिकारी खाताधारकों को सचेत करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाते, जब भी बैंकों से बड़ी मात्रा में करोड़ों रुपये निकाले जा रहे होयह सोचकर लापरवाही न बरते कि 'मेरे साथ ऐसा नहीं होगा' हर पल इस जागरूकता के साथ सतर्क रहें कि 'मेरे साथ भी ऐसा हो सकता है'। अज्ञात लिंक या फाइलें न खोलें, और असीमित मुनाफे का वादा करने वाले विज्ञापनों पर आँख बंद करके भरोसा न करें। जब अज्ञात धमकी भरे कॉल आएँ, तो किसी भी स्थिति में घबराएँ नहीं। परिवार के सदस्यों को सूचित करें और तुरंत पुलिस को रिपोर्ट करें या 112 डायल करें। खासकर, बच्चों को घर पर बुजुर्ग परिवार के सदस्यों के व्यवहार पर लगातार नजर रखनी चाहिए और उन्हें नैतिक समर्थन देना चाहिए। अगर दुर्भाग्य से कोई घोटाले का शिकार हो जाता है, तो बिना किसी देरी के, महत्वपूर्ण 'गोल्डन आवर' के भीतर तुरंत 1930 पर कॉल करें या बलइमतवतपउमइवअपद पर शिकायत दर्ज करें। याद रखें... सतर्कता ही साइबर अपराधों का असली इलाज है।

भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू बुधवार शाम को विजयवाड़ा में इंद्रकीलाद्री श्री दुर्गा मल्लेश्वर स्वामी वारला देवस्थानम श्री महा चंडी देवी के दिव्य दर्शन, वैदिक आशीर्वाद और टूर फोटो लेती हुईं



'बॉर्डर पर शांति के बिना रिश्ते नॉर्मल होना मुश्किल', चीन को विदेश मंत्री जयशंकर की दो टूक

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ कर दिया है कि बॉर्डर पर शांति स्थापित किए बिना चीन के साथ रिश्ते को सामान्य कर पाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि बॉर्डर इलाकों में शांति और सुकून जरूरी है। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि अगर बॉर्डर पर किसी भी तरह की गड़बड़ी होगी तो दोनों देशों के संबंधों पर असर पड़ेगा। दिल्ली में ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के एडिटर-इन-चीफ जॉन मिकलेथवेट के साथ बातचीत में उन्होंने चीन को लेकर यह बात कही। भारत और चीन के बीच कोई तय बॉर्डर नहीं एस जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन के बीच कोई तय बॉर्डर नहीं है। यह कोई नया मुद्दा नहीं है। यह कई दशकों से चल रहा है... 1975 से 2020 तक, यानी पूरे 45 साल, उस बॉर्डर पर कोई खून-खराबा नहीं हुआ। आखिरी बार मौतें 1975 में हुई थीं। इस दौरान भारत-चीन के रिश्ते बढ़े। उन्होंने कहा कि 2020 में झलात बदल गए, जब बॉर्डर पर तनाव बढ़ा और झड़प हुई। इस झड़प में दोनों तरफ के सैनिकों की मौत हो गई। जयशंकर ने आगे कहा, 'फिर 2020 में जब हम ब्लूफ लॉकडाउन के बीच में थे, तो हमारे बॉर्डर पर कई मसले थे, और इसका नतीजा झड़प में हुआ, जिसमें दोनों तरफ के कई सैनिक मारे गए। हमारे लिए, यह 1975 से चली आ रही स्थिति से बहुत अलग था। अगर बॉर्डर इलाकों में शांति बंग होती है, तो रिश्तों पर इसके नतीजे होंगे। ये नतीजे अगले पाँच सालों तक साफ दिखेंगे, जब तक कि हम शांति बहाल नहीं कर पाएँ। इसमें दोनों पक्षों के बीच चार साल बातचीत हुई।' चीन के साथ व्यापार असंतुलन विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन के बीच मतभेद केवल बॉर्डर तक ही सीमित नहीं



हैं। दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में भी गंभीर समस्याएँ हैं। उन्होंने भारत-चीन व्यापार संतुलन को एकतरफा बताते हुए कहा कि कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारतीय कंपनियों ने दुनिया के दूसरे बाजारों में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन उन्हें चीन में पर्याप्त बाजार पहुंच नहीं मिली है। जयशंकर ने कहा कि भारत को चीन में उस तरह समान अवसर नहीं मिल रहे हैं, जिस तरह भारत ने चीनी कंपनियों को अपने बाजार में अवसर दिए हैं। प्लोज शांति और अमन बनाए रखें इस सवाल पर कि अगर अली हार्वैस्ट एग्रीमेंट होता है तो क्या भारत ज्यादा चीनी इन्वेस्टमेंट की

इजाजत देने पर विचार करेगा, विदेश मंत्री ने कहा कि पॉसिबिलिटीज पर बातचीत चल रही है, साथ ही यह भी साफ किया कि इन्वेस्टमेंट और मार्केट एक्सेस पॉसिबिलिटीज को बाउंड्री इशू से अलग तरीके से हल किया जाएगा। जयशंकर ने कहा, 'यह एक एक्टिव बातचीत है। हम अब उन पॉसिबिलिटीज को देख रहे हैं, और हमें देखना है कि हम कहीं जाते हैं। लेकिन हम इस बात पर जोर नहीं दे रहे हैं कि बिजनेस करने के लिए आपको बाउंड्री इशू को सॉल्व करना होगा। हम यह कह रहे हैं प्लोज शांति और अमन बनाए रखें। मैं अली हार्वैस्ट को बाउंड्री क्वेश्चन सॉल्यूशन के अलावा किसी और

रोबोट संग डांडिया खेलने के लिए उमड़े बच्चे और युवा! रामोजी फिल्म सिटी में तकनीक और परंपरा का अनोखा संगम



हैदराबाद: दशहरा और नवरात्रि की छुट्टियों से पहले शनिवार रात को रामोजी फिल्म सिटी (थ्ये) उत्सव के संगीत और नृत्य के एक जीवंत व रंग-बिरंगे केंद्र में बदल गई। यहां देश भर से आए सैकड़ों उत्साही लोग एक हाई-एनर्जी 'प्री-डांडिया धमाल' (धम-वंदकपल वैंडस) उत्सव के लिए इकट्ठा हुए थे, पारंपरिक गरबा की धुनों के बीच इस बार का सबसे बड़ा आकर्षण एक ऐसा अनोखा अनुभव रहा, जिसने वहां मौजूद लोगों को हैरत में डाल दिया। सांस्कृतिक समूह 'रंगताली' के सहयोग से आयोजित इस एक दिवसीय कार्यक्रम में इस नृत्य शैली का पारंपरिक केंद्र माना जाने वाला गुजरात भी शामिल था, धमकीले और खूबसूरत परिधानों में सजे सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने फिल्म स्टूडियो के विशाल और मध्य दृश्यों के बीच गरबा और डांडिया का शानदार प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों और सबसे हैरान कर देने वाले तत्वों में से एक 'रोबोट डांडिया' (त्वइवज वंदकपल) का प्रदर्शन था, इसमें एक ऑटोमेटेड (स्वचालित) रोबोट को पारंपरिक धुनों पर डांस करने के लिए कोरियोग्राफ किया गया था, बच्चों और पर्यटकों ने इस रोबोट के साथ मिलकर डांस किया, जिससे यह इस कार्यक्रम के सबसे लोकप्रिय दृश्यों में से एक बन गया। कार्यक्रम में शामिल हुए एक प्रतिभागी ने कहा, 'पारंपरिक संगीत पर रोबोट को नाचते देखना बेहद आनंददायक था, तकनीक और परंपरा के इस अनोखे संगम ने इस उत्सव में एक अलग ही रंग जमा दिया।' यहां आए कई परिवारों ने आयोजकों और कार्यक्रम स्थल के मेजबान से मध्थ में भी इसी तरह के बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया, एक आयोजक ने कहा, 'अलग-अलग जगहों से आए इस विविध जनसमूह को ध्यान में रखते हुए, हमने इस उत्सव को एक सुरक्षित, स्वागत योग्य और परिवार के अनुकूल माहौल प्रदान करने के लिए डिजाइन किया था।' इसी तरह, पूरे कार्यक्रम को सुचारु रूप से संघलित करने के लिए पूरे आयोजन स्थल पर पेशेवर सुरक्षा जांच और समर्पित ऑन-साइट सहायता टीमें तैनात की गई थीं। शनिवार शाम 7 बजे शुरू हुआ और देर रात तक चला यह उत्साह से भरा कार्यक्रम हैदराबाद के आगामी मुख्य शरदकालीन त्योहारों की एक सफल और शानदार शुरुआत साबित हुआ। पर्यटन अधिकारियों ने कहा, 'इस कार्यक्रम ने क्षेत्रीय पारंपरिक विरासत को बड़े पैमाने पर मनोरंजन के साथ प्रभावी ढंग से जोड़ा, जिससे स्थानीय निवासियों और देश भर से छुट्टियों में घूमने आए यात्रियों, दोनों की भारी भीड़ यहां उमड़ी।'

भूएटी ड्रग्स एक्टिविस्ट परमिंदर झोटा हत्याकांड के मामले में पुलिस कोई कसर नहीं छोड़ेगी, बड मान ने दिया आश्वासन



नई दिल्ली :

पंजाब के मानसा में ड्रग्स के खिलाफ काम करने वाले एक एक्टिविस्ट की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में सीएम भगवंत मान ने कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि मानसा में एक बहुत दुखद घटना हुई है, जिसमें सोशल वर्कर परमिंदर सिंह झोटा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मैं स्पष्ट करना चाहता हूँ कि पंजाब पुलिस इस मामले में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। नहीं बल्कि जाएंगे साजिश में शामिल लोग। सीएम भगवंत मान ने आगे कहा, 'अगर इस साजिश के पीछे कोई और भी शामिल पाया जाता है, तो उसे भी बख्शा नहीं जाएगा। हमने पूरे पंजाब में हर तरह के ड्रग्स के खिलाफ जंग छेड़ रखी है और किसी के साथ भी कोई रियायत या नरमी नहीं बरती जाएगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह व्यक्ति कौन है या उसके कितने बड़े लोगों से संबंध हैं।' मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बोले, 'मैं परमिंदर सिंह झोटा के परिवार के प्रति भी संवेदना जताता हूँ। ऐसी घटना कभी नहीं होनी चाहिए थी। मैंने कृ को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे इस केस की जांच करें और सुनिश्चित करें कि सच पूरी तरह से सामने आए।' गुरसाए लोगों ने आरोपी की दुकान में लगाई आगगीरतत्व है कि मानसा में आज (बुधवार को) भयंकर बवाल हुआ। आरोपी अश्विनी की दुकान के सामने पब्लिक जबरदस्त गुरसे में दिखी। एटी ड्रग्स एक्टिविस्ट परमिंदर झोटा का मर्डर करने वाले आरोपी अश्विनी की शॉप पर लोगों ने हमला कर दिया। वीते मंगलवार को जिस दुकान में परमिंदर का मर्डर हुआ था, आज लोगों ने उसमें जमकर तोड़फोड़ की। उसे आग के हवाले कर दिया। नशा रोको, रोजगार दो' अभियान का चेहरा थे परमिंदरहैरानी की बात है कि जिस तरह से परमिंदर सिंह की हत्या लाइव हुई, उसी तरह से ये तोड़फोड़ और आगजनी भी कैमरे पर लाइव रिकॉर्ड हुई। उधर, मानसा प्रशासन ने आरोपी अश्विनी के घर को बलडोजर से गिरा दिया है। नशे की खिलाफत करने वाले सोशल एक्टिविस्ट परमिंदर सिंह झोटा को वीते मंगलवार को लाइव कैमरे के सामने गोशियों से मून दिया गया था। वह पेशा 'नशा रोको, रोजगार दो' अभियान का चेहरा थे, जो सालों से ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे।

पलामू के सरकारी स्कूलों में 25: बच्चे नहीं करते क्लास अटेंड! मौसमी पलायन पढ़ाई को कर रहा प्रभावित

पलामू जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई करने वाले 25: से अधिक बच्चे नियमित तौर पर क्लास अटेंड नहीं करते हैं। कोई बच्चा लगातार 30 दिन तो कोई बच्चा लगातार 20 दिनों तक क्लास अटेंड नहीं करता है। सबसे खराब हालत 8वीं से लेकर 12वीं क्लास में पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं की है, जो सबसे अधिक गायब रहते हैं। पलामू में 2665 के करीब सरकारी स्कूल हैं, जिसमें 501489 बच्चे पढ़ाई करते हैं। जिला प्रशासन के स्पेशल सर्वे में क्या-क्या? दरअसल, पलामू में सरकारी स्कूलों को लेकर जिला प्रशासन ने एक स्पेशल सर्वे करवाया था। इस सर्वे में स्कूल की आधारभूत संरचना के साथ-साथ बच्चों की उपस्थिति का भी आकलन किया था। इसी दौरान यह जानकारी निकालकर सामने आई थी कि पहले से लेकर 8वीं तक के 25: जबकि 9वीं से लेकर 12वीं तक के 30: बच्चे कैंपस से दूर हो रहे हैं। ग्रामीण इलाकों के बच्चे सबसे अधिक कैंपस से दूर हुए हैं और जिला प्रशासन ने खास इलाकों को चिन्हित भी किया है।

सरकारी स्कूलों में 25: बच्चे नहीं करते क्लास अटेंड! (मजज टीतज) मौसमी पलायन बच्चों को स्कूल कैंपस से कर रहा है दूर। अन्य कारण भी सामने आए। पलामू का इलाका पूरे देशभर में पलायन के लिए चर्चित है। एक बड़ी आबादी ऐसी भी है, जो मौसमी पलायन करती है। यह आबादी धान रोपाई और धान कटाई के लिए 2 से 3 महीने पूरे परिवार के साथ बाहरी राज्यों में पलायन कर जाती है। मौसमी पलायन बच्चों को सबसे अधिक स्कूल के कैंपस से दूर कर रही है। जिला प्रशासन के सर्वे में दूसरे बिंदुओं पर भी जानकारी निकालकर सामने आई है, जिस कारण बच्चे स्कूल कैंपस से दूर हो रहे हैं। सर्वे में यह बात भी सामने आई है कि बड़ी संख्या में बच्चों के परिवार नशा करते हैं, जिस वजह से उनके बच्चे स्कूल से दूर हो रहे हैं। कई परिवार ऐसे भी हैं, जो अपने बच्चों से खेती करवा रहे हैं या दूसरे कार्यों में उन्हें इस्तेमाल कर रहे हैं। बच्चों को स्कूल कैंपस से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन है गंभीर, परिजनों से लिया जा रहा है



मौसमी पलायन! कैंपस से दूर होते छात्र

शपथ पत्रबच्चों को स्कूल कैंपस से जोड़ने के लिए पलामू में जिला प्रशासन गंभीर है और कई बिंदुओं पर कदम उठाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने बच्चों को स्कूल से जोड़े रखने के लिए 'परवाज कार्यक्रम' शुरू किया है। जिला प्रशासन के सभी वरीय अधिकारी हर सप्ताह प्रखंड में जाएंगे और वैसे स्कूलों में कैंप करेंगे, जहां सबसे अधिक बच्चे कैंपस से दूर हुए हैं। इस बीच अधिकारी गरिजन और ग्रामीणों से बातचीत करेंगे। इस दौरान अधिकारी खुद बच्चों को मध्याह्न भोजन भी परोसेंगे। बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए अभियान संचालित पलामू डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत खुद इस अभियान को मॉनिटर कर रहे हैं और बच्चों को स्कूल से जोड़े रखने के लिए अभियान चला रहे हैं। अभियान के दौरान अधिकारी परिजनों से बातचीत कर रहे हैं, उनसे एक शपथ पत्र भी लिया जा रहा है ताकि बच्चे स्कूल के कैंपस से दूर नहीं हो सकें। पंचायत समितियों के संनदीयक पद ध्वंसन क्लास में पढ़ाई के दौरान विद्यार्थी (मजज टीतज)

आसान नहीं है बोलना की सभी बच्चों को स्कूल भेज दीजिए, घर में काम करने बच्चे साथ देते हैं, धान रोपने या फसल काटने के दौरान बच्चे साथ में पलायन कर जाते हैं। इन सब चुनौतियों के बीच जिला प्रशासन को आगे बढ़ना होगा और बच्चों को स्कूल के कैंपस से जोड़ना है। यह सोचना होगा कि घर में कोई एक व्यक्ति भी है तो वह बच्चों का खयाल रखें और स्कूल भेजे। जिला प्रशासन मध्याह्न भोजन पर भी नजर रख रही है और उसे बेहतर कर रही है। कोई भी बच्चा स्कूल कैंपस से छूट नहीं जिला प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है और कार्यक्रम चलाया जा रहा है। अधिकारी गांव में जाएंगे और ग्रामीणों के साथ बातचीत करेंगे। दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, डीसी नियमित उपस्थिति और ड्रॉप आउट दोनों लग-अलग चीज हैं। नियमित उपस्थिति 25- 26: बच्चों की कम हो रही है। बच्चों को स्कूल से जोड़े रखने के लिए कार्यक्रम शुरू किया गया है, वही ऐसे बच्चों को भी टारगेट किया जा रहा है, जो 2

ब्रिच के तीन सदस्य सौरव दास, रांका और अजिंक्य शिंदे मजिस्ट्रेट के सामने होंगे पेश, तिहाड़ जेल भेजे जाने की आशंका

नई दिल्ली: जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से जुड़े मामले में ब्रिच के तीन सदस्यों सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे को बुधवार सुबह मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने की संभावना है। ब्रिच की लीगल टैड रत्ना सिंह ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीनों को मंदिर मार्ग थाने में सब-डिविजनल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (ईड) के सामने पेश किया जा सकता है। संगठन ने आशंका जताई है कि मजिस्ट्रेट के सामने पेशी के बाद तीनों को न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजा जा सकता है। यह मामला जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर अनधिकृत तरीके से प्रवेश करने से जुड़ा है। ब्रिच की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने सौरव दास, आशुतोष रांका, अजिंक्य शिंदे और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। संगठन ने हिरासत, पुलिस कार्रवाई और आगे की कानूनी प्रक्रिया को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट साझा किए हैं। जंतर-मंतर पर प्रवेश को लेकर दर्ज हुआ केस ब्रिच के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन से संबंधित घटनाक्रम के सितसिले में मामला दर्ज किया है। आरोप है कि सदस्यों ने जंतर-मंतर पर अनधिकृत तरीके से प्रवेश किया। संगठन की ओर से दी गई जानकारी में अतिक्रमण, बॉन्ड की शर्तों के उल्लंघन और सरकारी अधिकारियों के काम में बाधा डालने जैसे आरोपों का भी जिक्र किया गया है। हालांकि, इन आरोपों और मामले की कानूनी स्थिति को लेकर पुलिस का पक्ष सामने आना बाकी है। तड़के तीन बजे संसद मार्ग थाने लाए जाने का दावा ब्रिच की ओर से एक्स पर साझा की गई पोस्ट



के अनुसार, सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे को बुधवार तड़के करीब तीन बजे एक निजी वैन से संसद मार्ग थाने लाया गया। इसके बाद उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने की संभावना जताई गई। संगठन का कहना है कि हिरासत से जुड़े 24 घंटे डिविजनल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के सामने डिविजनल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने की संभावना है। पेश किए जाने की संभावना है।

की समयसीमा जल्द पूरी होने वाली है। ब्रिच की लीगल टैड रत्ना सिंह ने सुबह 5:38 बजे के अपडेट

में बताया कि तीनों को अगले एक घंटे के अंदर मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में सब-डिविजनल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने की संभावना है। वकीलों से मुलाकात नहीं होने का आरोप ब्रिच ने यह भी दावा किया कि देर रात तक तीनों सदस्यों को अपने वकीलों से मिलने नहीं दिया गया। संगठन ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए हिरासत के दौरान कानूनी सहायता उपलब्ध कराने को लेकर सवाल उठाए हैं। हालांकि, इस आरोप पर दिल्ली पुलिस का पक्ष सामने आना बाकी है। ये भी पढ़ें-

नीला ड्रम केस्य मेरठ की कोर्ट ने साहिल-मुस्कान को सुनाई फांसी की सजा

मेरठ: सौरभ हत्याकांड में मेरठ की जिला अदालत ने साहिल और मुस्कान को फांसी की सजा सुनाई है। इससे पहले 30 सितंबर को कोर्ट ने दोनों को दोषी ठहराया था। साथ ही फैसले की तिथि 14 अक्टूबर तय की थी। बुधवार को बर्चुअल माध्यम से कोर्ट में मुस्कान और साहिल की बर्चुअल माध्यम पेशी हुई। वादी पक्ष के अधिवक्ता विजय बहादुर सिंह ने कहा कि उन्होंने जो कोर्ट को यह बताया है कि हत्या का तरीका बेहद ही क्रूर है। यह कोई अचानक से उकसावे में आकर हत्या नहीं की गई है। बल्कि यह सोच-समझकर हत्या की गई। हत्या करने के बाद भी डेडबॉडी के टुकड़े किए गए। मृतक सौरभ के सिर को तो आरोपी साहिल अपने घर तक भी लेकर गया था। जिस तरह का दोष है, इसमें कम से कम मृत्यु दंड दिया जाए। अधिवक्ता विजय बहादुर ने कहा कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक केस का हवाला देते हुए इस मामले में मृत्युदंड



की मांग की है। मृतक सौरभ की मां रेनु और भाई बबलू भी सजा सुनाए जाने के दौरान कोर्ट में रहे। बता दें कि जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत ने सौरभ राजपूत की नृशंस हत्या के

मामले में उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को दोषी ठहराया था। अदालत ने इस वारदात को बेहद क्रूरताम कृत्य करार देते हुए कहा कि ऐसा अपराध समाज पर गहरा और नकारात्मक असर डालता है। कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि इन दोनों का मुनाफा किसी भी कीमत पर माफी के लायक नहीं है और दोषियों को ऐसी सख्त सजा मिलनी चाहिए जो नज़ीर बने। इस सनसनीखेज मामले में करीब 13 से 16 महीनों तक चली सुनवाई के दौरान कुल 126 पेशियां हुईं। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत के सामने 22 अहम गवाह पेश किए गए, जिनकी गवाही ने आरोपियों को खिलाफ अपराध को साबित किया। कोर्ट ने दोनों को हत्या के साथ-साथ साक्ष्य मिटाने और सबूत छिपाने का भी दोषी माना। बीते साल की थी हत्या: मेरठ के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में मार्च 2025, में मुस्कान रस्तोगी ने

लखीमपुर खीरी में शारदा का रौद्र रूपय कटान से नदी में समा गया काली माता का मंदिर, अब तक 4 धार्मिक स्थल जलमग्न



लखीमपुर खीरी: जिले के गोला तहसील क्षेत्र के रुरा सुल्तानपुर में शारदा नदी इन दिनों लगातार अपना रौद्र रूप दिखा रही है। नदी के किनारे तेजी से हो रहे कटान ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। सोमवार को काली माता मंदिर भी कटान की चपेट में आ गया। नदी की तेज धारा के सामने मंदिर ज्यादा देर टिक नहीं सका और देखते ही देखते शारदा नदी में समा गया। जल में समाया माता का मंदिर (टपकमव ब्रामकपजय म्जट टीतज) ग्रामीणों ने बताया कि ये पहली बार नहीं है जब शारदा नदी ने किसी धार्मिक स्थल को निशाना बनाया हो। इससे पहले इसी गांव में करीब 500 साल पुराने वीर बाबा स्थान समेत 4 धार्मिक स्थान नदी में समा चुके हैं। धार्मिक स्थलों के नदी में समाने से ग्रामीणों में गहरी पीड़ा है। लोगों का कहना है कि जिन स्थानों से उनकी आस्था जुड़ी थी, आज वे नदी की तेज धाराओं में अपना अस्तित्व खो चुके हैं। कटान का असर केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है। नदी की बढ़ती धारा कई परिवारों के घरों और सैकड़ों एकड़ खेतों को भी निगल चुकी है। खेतों में खड़ी फसल नदी में समाने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीणों को अब डर सता रहा है कि यदि कटान इसी रफ्तार से जारी रहा, तो आने वाले दिनों में और घर, कृषि, भूमि इसकी जद में आ सकती है। एसडीएम युगांतर त्रिपाठी ने बताया कि शारदा नदी के कटान की स्थिति पर प्रशासन नजर बनाए हुए है। संबंधित अधिकारियों और राजस्व टीम को स्थिति का जायजा लेने और प्रभावित क्षेत्र की निगरानी करने के निर्देश दे दिए हैं। कटान से लोगों की स्थिति और नुकसान का भी आकलन कराया जा रहा है।

रुड़की अग्निवीर भर्ती रैली: सिर सुजाओ, हाइट बढ़ाओ! कैडिडेट्स अपना रहे दर्दनाक तरीका



नई दिल्ली: देश की सेवा करने के लिए युवाओं का जुनून सिर चढ़कर बोल रहा है। इसी के चलते हरिद्वार जिले के रुड़की में चल रही अग्निवीर भर्ती में युवा सेना में शामिल होने के लिए युवा दिन-रात मेहनत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी जुनून के बीच कुछ अभ्यर्थियों के ऐसे कारनामे सामने आ रहे हैं जो हैरान करने के साथ-साथ चिंता भी बढ़ा रहे हैं। दरअसल, सेना में भर्ती होने के लिए निर्धारित लंबाई पूरी करने की चाह में कुछ युवा अपने ही सिर पर लाठी-डंडों से वार कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि सिर में सूजन आने से उनकी लंबाई कुछ बढ़ जाएगी। हालांकि यह खतरनाक जुगाड़ उन्हें सेना में भर्ती कराने का वादा नहीं करता। इसकी चिंता शायद उन्हें बिल्कुल नहीं है। बताते चलें, रुड़की के बीडीजी सेंटर स्थित फेलिक्स ग्राउंड में बीती 5 अक्टूबर से अग्निवीर भर्ती रैली चल रही है। ये रैली आने वाली 23 अक्टूबर तक जारी रहेगी। उत्तराखंड के साथ उत्तर प्रदेश के युवा भी इस भर्ती में हिस्सा ले रहे हैं। कोई दौड़ में अपनी ताकत दिखा रहा है तो कोई शारीरिक दक्षता के दूसरे मानकों को पूरा करने के लिए परीक्षा बहा रहा है। इस भर्ती में लंबाई की निर्धारित शर्त पूरी नहीं कर पाने का डर कुछ युवाओं को जोखिम भरे तरीके अपनाने के लिए मजबूर कर रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ अभ्यर्थी सिर पर लाठी-डंडों से चोट मारकर सूजन लाने की कोशिश के जा रही है। बात यहीं खत्म नहीं होती, अभ्यर्थियों द्वारा चोट वाली जगह पर नीबू लगाने की बात भी सामने आई है। वहीं, सिर पर चोट मारने से लंबाई बढ़ने का कोई भरोसेमंद आधार नहीं है, उल्टा ऐसा करना युवाओं के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। सिर पर चोट लगने से दिमाग में गंभीर चोट, आंतरिक रक्तस्राव और दूसरी जानलेवा समस्याएं हो सकती हैं। बेहतरहाल, सेना में भर्ती होने का सपना पूरा करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालना किसी भी लिहाज से समझदारी नहीं है। वहीं, इस तरह के मामलों ने भर्ती अधिकारियों को भी सतर्क कर दिया है। सेना भर्ती कार्यालय लैसडाउन के निदेशक कर्नल रंजीत सिंह पवार के मुताबिक, कुछ

केदारनाथ धाम हेली सेवा, कल से शुरू होगी अंतिम चरण के टिकटों की बुकिंग, जानिए कैसे करें बुक?



देहरादून: केदारनाथ धाम जाने वाले भक्तों के लिए बड़ी खबर है, जो भक्त हेलीकॉप्टर से केदारनाथ धाम जाना चाहते हैं, उनके लिए अंतिम चरण की यात्रा के लिए कल 9 अक्टूबर से हेली टिकटों की बुकिंग शुरू हो रही है। 9 अक्टूबर को आगामी 16 अक्टूबर से 9 नवंबर 2026 तक के लिए हेली टिकटों की बुकिंग शुरू होने जा रही है। ऐसे में जो श्रद्धालु हेली सेवाओं के जरिए बाबा केदारनाथ के दर्शन करना चाहते हैं, वो कल यानी 9 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से आईआरसीटीसी की वेबसाइट से हेली टिकट बुक कर सकते हैं। दरअसल, उत्तराखंड चारधाम यात्रा अंतिम चरण में चल रही है। बाबा केदारनाथ धाम के कपाट दीपावली के दो दिन बाद भाई दूज के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाएंगे, इसके बाद प्रदेश में शीतकालीन यात्रा शुरू हो जाएगी, जिसको देखते हुए उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने 9 नवंबर 2026 तक के लिए हेली टिकटों की बुकिंग का स्टॉल खोल दिया है। ऐसे में श्रद्धालु आईआरसीटीसी की ऑफिशल वेबसाइट 'जिजयै:वैधमसपलंजतं' पर वाजब, वयपद के जरिए टिकट बुक कर सकते हैं। केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाओं का राउंड ट्रिप किराया पहले से ही तय है, जिसके तहत गुप्तकाशी से केदारनाथ धाम तक के लिए जीएसटी सहित 12,762 रुपये का स्टॉल खोला गया था। ऐसे में जीएसटी सहित 10164 रुपये किराया रखा गया है। वहीं, नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के सीईओ प्रतीक जैन ने कहा कि केदारनाथ धाम के लिए हेली की शटल सेवा 15 सितंबर से शुरू हो गई है। शुरुवाती दौर में 15-15 दिन के लिए टिकटों की बुकिंग का स्टॉल खोला जा रहा है। उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट ऑथॉरिटी ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से बचने के लिए अनधिकृत व्यक्तियों, ट्रेवल एजेंटों या फर्जी वेबसाइट्स के माध्यम से टिकट बुकिंग न करें, किसी भी अनधिकृत माध्यम से भुगतान करने से बचें। यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करना न्याय की सर्वोच्च प्राथमिकता है। न्याय की ओर से यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं चारधाम हेलीकॉप्टर यात्रा के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी एवं समीक्षा की जा रही है।

'ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने देखी हमारी ताकत...' वायुसेना दिवस पर एयर चीफ मार्शल का बड़ा बयान

गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश): एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने बुधवार को कहा कि भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपनी रफ्तार, विनाशकारी मारक क्षमता और बेहतरीन हवाई रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि वायुसेना पूरी तरह सतर्क, समर्पित और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। हिंडन एयर बेस पर वायुसेना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए एयर चीफ ने कहा कि दुनिया भर में हाल ही में हुए युद्धों से यह साफ हो गया है कि किसी देश के हितों की रक्षा करने में वायुसेना सबसे प्रमुख जरिया है। ए पी सिंह ने आगे कहा कि वायुसेना की ताकत सिर्फ उसके आधुनिक विमानों और हथियारों से नहीं आती जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि वह युद्ध के लिए कितनी तैयार है और जरूरत पड़ने पर कितनी तेजी व आत्मविश्वास से कदम उठा सकती है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा, पिछले साल पूरी दुनिया ने देखा कि भारतीय वायुसेना कितनी तेजी से युद्ध के मैदान में उतरी। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान वायुसेना ने अपनी विनाशकारी मारक क्षमता और अचूक हवाई रक्षा दोनों का लोहा मनवाया। हेवायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह गुरुवार, 08 अक्टूबर, 2026 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हिंडन वायु सेना स्टेशन पर 94वें भारतीय वायु सेना दिवस समारोह के दौरान भाषण देते हुए, (म्यूट टीएन) वायुसेना दिवस परेड के दौरान, हिंडन एयर फोर्स स्टेशन पर इन सभी आधुनिक लड़ाकू विमानों, रडार प्रणालियों, मिसाइलों और हेलीकॉप्टरों को प्रदर्शन के लिए रखा गया था। परेड देखने के लिए इकट्ठा हुए लोग इन शक्तिशाली विमानों को इतने करीब से देखने के लिए बेहद उत्साहित थे, आसमान में उड़ते और जमीन पर प्रदर्शित लड़ाकू विमानों व हेलीकॉप्टरों के नजारे ने सबका ध्यान खींचा, और कई दर्शक इन पलों को अपने फोन में कैद करते नजर आए। वहां मौजूद लोगों के लिए वायुसेना के इन अत्याधुनिक विमानों को करीब से देखना न सिर्फ एक रोमांचक अनुभव था, बल्कि गर्व का क्षण भी था। वायुसेना दिवस पर अपने संबोधन में वायुसेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि बल वास्तविक प्रशिक्षण और अभ्यासों के जरिए अलग-अलग अभियान संबंधी जरूरतों के लिए लगातार तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा, "हम जैसा लड़ते हैं, वैसा ही प्रशिक्षण लेते हैं", और यह भी जोड़ा कि पेशेवर प्रशिक्षण ही हमारी अभियान क्षमता की बुनियाद है। उन्होंने युद्ध की तैयारियों को परखने और परिचालन ढांचे में नई तकनीकों को तेजी से शामिल करने के प्रयासों के तहत 'वायुशक्ति', 'डोनाथॉन' और वर्तमान में चल रहे बहुपक्षीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' जैसे महत्वपूर्ण अभ्यासों का विशेष रूप से उल्लेख किया। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हिंडन वायु सेना स्टेशन पर गुरुवार, 08 अक्टूबर, 2026 को 94वें भारतीय वायु सेना दिवस समारोह का आयोजन हुआ। (म्यूट टीएन) वायुसेना के बदलाव के लिए एआई और ऑटोनॉमस सिस्टम बेहद जरूरी। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय वायुसेना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल इन्वोवेशन के दौर में कदम रख रही है। उन्होंने बताया कि एआई का इस्तेमाल कमांडरों की भारी मात्रा में डेटा का विश्लेषण करने और सही फैसले लेने में मदद के लिए किया जा रहा है।

गांधीनगर नगर निगम चुनाव में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी के 'ए' आंदोलन पर कसा तीखा तंज.

गांधीनगर: एक तरफ जहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग की 'ए' (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया के खिलाफ दिल्ली की सड़कों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक बड़ा आंदोलन चला रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ चुनावी मैदान से कांग्रेस के लिए एक ओर करारा झटका देने वाली खबर आई है। गांधीनगर नगर निगम (कडबू) चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 44 में से 38 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखी है। इस करारी हार के तुरंत बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आंदोलन कर रहे राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला। तंज कसते हुए पूछा कि क्या गुजरात में पिछले 41 सालों से मिल रही लगातार हार भी 'ए' का ही नतीजा है? (कडबू) चुनाव 2026 के नतीजे घोषित हो चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी (एनडीए) ने 44 में से 38 सीटें जीतकर एक बार फिर सत्ता पर अपना कब्जा बरक-रार रखा है। हालांकि, बीजेपी ने अपने पिछले कार्यकाल की 41 सीटों के मुकाबले इस बार 3 सीटें गंवाई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, पार्टी ने इस चुनाव में अपने वोट शेयर में 10 की बढ़ोतरी दर्ज की है। वहीं, कांग्रेस ने 5 सीटों पर जीत हासिल कर पिछले चुनाव में 2 सीटों के मुकाबले अपनी स्थिति में सुधार किया है। अब उसे नगर निगम में 'विपक्ष के नेता' का पद मिलना तय हो गया है। इसके अलावा 1 सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई है। यह जीत बीजेपी के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि चुनाव से पहले शहर के विभिन्न हिस्सों में बुनियादी सुविधाओं जैसे— सड़कों और जल निकाली व्यवस्था को लेकर नागरिकों में असंतोष देखा जा रहा था। विश्लेषकों का अनुमान था कि सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इंकॉबेंसी) के कारण बीजेपी को बड़ा नुकसान हो सकता है। अमित शाह का राहुल गांधी पर हमला इस ऐतिहासिक जीत पर खुरी जताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष, खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। अपने लोकसभा क्षेत्र के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए



शाह ने कहा, "गुजरात की तीन नगर पालिकाओं और नगर निगमों की कुल 104 सीटों में से बीजेपी ने 90 सीटें जीती हैं। यह बड़ी जीत साफ तौर पर देश और गुजरात के मतदाताओं का मूढ़ दिखाती है कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मजबूती से खड़े हैं। राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए गृह मंत्री ने आगे कहा, "मैं राहुल जी को बताता चाहता हूँ कि कांग्रेस गुजरात में पिछले 41 सालों में एक भी चुनाव नहीं जीत पाई है। उन्होंने आखिरी बार 1985 में चुनाव जीता था। मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि क्या यह भी 'ए' का नतीजा है? आप अवसर बीजेपी और मोदी जी की लोकप्रियता को 'ए' का नतीजा बताकर नकार देते हैं। कांग्रेस को इस बात पर गंभीरता से आत्म-मंथन करना चाहिए कि जिस राज्य में कभी उनकी सत्ता थी, वहां वे 41 साल से लगातार हार क्यों रहे हैं। 'वार्ड नंबर 11 में कांग्रेस का विरोध' नतीजों के दौरान वार्ड नंबर 11 में उस वक्त विवाद खड़ा हो गया जब कांग्रेस उम्मीदवारों ने मतगणना के नियमों को लेकर चुनाव अधिकारियों के सामने

अपनी आपत्ति दर्ज कराई। कांग्रेस का तर्क था कि यदि आरक्षित सीट का कोई उम्मीदवार सबसे अधिक वोट हासिल करता है, तो नियमों के तहत उसे सामान्य (जन्मदमतरा) सीट का विजेता माना जाना चाहिए और उसके बाद वाले उम्मीदवार को आरक्षित सीट पर विजयी घोषित किया जाना चाहिए। हालांकि, कांग्रेस का यह विरोध ज्यादा देर नहीं चला और चुनाव अधिकारियों ने नियमों का हवाला देते हुए बीजेपी के सभी चार उम्मीदवारों को विजेता घोषित कर दिया। आम आदमी पार्टी का सुपड़ा साफ सात 2021 के नगर निगम चुनावों में घमाकेदार प्रदर्शन करने वाली आम आदमी पार्टी (।।।) का श्राफ इस बार पूरी तरह गिर गया। पिछले चुनाव में कई वार्डों में दूसरे स्थान पर रहकर कांग्रेस को तीसरे नंबर पर घुंकेलेने वाली 'आप' इस बार कोई कमाल नहीं दिखा सकी। 2026 के इन नतीजों में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों को बेहद कम वोट मिले। उनके कई प्रत्याशियों की जमानत तक जवाब हो गई।

कॉकरोच जनता पार्टी को अमेरिका से मिल रही फंडिंग, मिलबेन का दावा

नई दिल्ली : कॉकरोच जनता पार्टी (काच) को अमेरिका के दानदाताओं से आर्थिक मदद मिल रही है। अमेरिका की गायिका मैरी मिलबेन ने यह आरोप बुधवार को लगाया। मिलबेन ने कहा कि यह चुप रहने का समय नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के सभी युवा देशमत्तों को संगठन की विघटनकारी सोच के विरुद्ध खड़े होने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन करना चाहिए। गायिका मिलबेन ने उक्त पिथी ऐसे वक्त में की है, जब विपक्षी दलों और कॉकरोच जनता पार्टी (काच) के द्वारा वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (ए) में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (एच) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर नई दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "कॉकरोच जनता पार्टी (काच) के नेता अमिर्जीत दीपक और उनकी पार्टी को अमेरिका के ऐसे दानदाताओं से आर्थिक सहायता मिल रही है, पीएम मोदी और उनके नेतृत्व में आपका भविष्य होने के खिलाफ है। भारतीय युवाओं से क्या अपील की उन्होंने कहा कि यह चुप रहने का वक्त नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के सभी युवा देशमत्तों से विघटनकारी ताकतों के विरोध खड़े होने और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन करने की अपील की जाती है। इस सिलसिले में एक्स पर एक पोस्ट में मिलबेन ने कहा, "डरो मत, मेरे युवा देशमत्तों। आपके प्रधानमंत्री, जिन्होंने 25 वर्षों तक भारत की सेवा की है और 12 वर्षों से प्रधानमंत्री हैं तथा लगातार तीन कार्यकाल के लिए चुने गए हैं, मेरे देश की विघटनकारी ताकतों के सामने झुकने वाले नहीं हैं। दानदाताओं को लेकर मिलबेन ने क्या कहा गायिका ने कहा, "इन चुनिंदा दानदाताओं का दुनियाभर में एक तरीका रहा है। वे दुनिया के



रुढ़िवादी नेताओं को निशाना बनाते हैं, इसके अलावा संबंधित देश के किसी ऐसे व्यक्ति को दूढ़ते हैं जिसने अमेरिका में शिक्षा हासिल की हो, उसे कष्टप्रस्थी बनाते हैं, शासन व्यवस्था को प्रभावित किया है। अमेरिकी गायिका मिलबेन ने कहा कि लोकतंत्र और स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए हमेशा एक जवाबी आंदोलन होना चाहिए। फिर उसे वापस उसके देश भेजते हैं और वहां अराजकता तथा विनाश फैलाने के लिए घन मुहैया कराते हैं। हालांकि इनमें से कोई भी सफल नहीं हुआ है, लेकिन इन गतिविधियों ने संबंधित देशों के

विकास और शासन व्यवस्था को प्रभावित किया है। 'अमेरिकी गायिका मिलबेन ने कहा कि लोकतंत्र और स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए हमेशा एक जवाबी आंदोलन होना चाहिए। कौन हैं मिलबेन? मिलबेन एक जानी-मानी अफ्रीकी-अमेरिकी हॉलीवुड अभिनेत्री और गायिका हैं, मिलबेन ने 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान आयोजित एक कार्यक्रम में भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाया था। अफ्रीकी मूल की अमेरिकी गायिका हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा की जाने वाली आरती 'ओम जय

हमीरपुर में सड़क हादसा : मथुरा-वृंदावन से दर्शन कर डच के सतना लौट रहे दो श्रद्धालुओं की मौत

हमीरपुर: मथुरा-वृंदावन से दर्शन कर वाइक से मध्य प्रदेश के सतना लौट रहे दो श्रद्धालुओं की बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में मौत हो गई। दुर्घटना सोमवार सुबह करीब 9 बजे मौदहा कोतवाली क्षेत्र में हुई है, जहां वाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर घिसट गई, जिससे उस पर सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौदहा कोतवाली प्रमारी संतोष कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के सतना जिले की बरींघा तहसील के मझगवां थाना क्षेत्र के नकेला गांव निवासी मोहन मिश्रा (50) और संजय पांडे (45) के रूप में हुई है। ये लोग मथुरा-वृंदावन से दर्शन करने के बाद वाइक से अपने गांव लौट रहे थे। सोमवार सुबह दोनों बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से होकर



गुजर रहे थे, इसी दौरान 9 बजे के करीब पोल

संख्या 73.3 के पास वाइक अचानक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी मिलने पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची, दोनों घायलों को एंबुलेंस से मौदहा सामूचायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, यहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पीछे दूसरी वाइक से आ रहे परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं। मौदहा कोतवाली प्रमारी ने कहा कि प्रथम दृष्टया वाइक चालक को झपकी आने के कारण हादसा हुआ है, फिलहाल अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्राकृतिक आपदाओं या दूसरी मुश्किलों का सामना करता है। यह कहानी बार-बार आने वाली मुश्किलों को समझने का एक जरिया देती है, जो आपकी चिंताओं को ऐतिहासिक लेखों के जरिए चली आ रही कहानी से जोड़ती है। हालांकि, उपलब्ध सातों की अपनी सीमाएँ हैं। 1877 की किताब में इस कहानी का जिक्र है, और 2012 के लेख में बताया गया है कि यह मुहावरे से कैसे जुड़ी है। इनमें से कोई भी स्रोत यह नहीं बताता कि आज नेपाली लोग इस मुहावरे का इस्तेमाल किन्ती बार करते हैं या क्या आप मिले नेपाल का हर जिक्र भीम मल्ला की कहानी से ही जुड़ा है। इन सवालों के जवाब के लिए नेपाल की लोक-कथाओं, साहित्य और आज की सार्वजनिक बातचीत पर और रिसर्च की जरूरत होगी।

क्या नेपाल सच में एक श्रापित देश है — यह कहानी एक ऐसा सवाल उठाती है जो लोककथाओं से कहीं आगे जाता है। क्या यह बात सचमुच किसी श्राप में विश्वास को दिखाती है, या यह नेपाल की उन मुश्किलों के लिए एक रूपांक बन गई है जिनका सामना यह लगातार कर रहा है? ऐतिहासिक रिकॉर्ड में भीम मल्ला को दी गई सजा—ए-मौत और उनकी पत्नी के श्राप के बारे में एक पारंपरिक कहानी मिलती है।

इससे यह साबित नहीं होता कि इसी श्राप की वजह से बाद में राजनीतिक अस्थिरता, बाढ़, भूस्खलन, भूकंप या दूसरी आपदाएँ आईं। इन घटनाओं को समझने के लिए ऐतिहासिक, राजनी, ठीक, भूवैज्ञानिक और पर्यावरणीय सूक्ष्मता पर आधारित अलग-अलग व्याख्याओं की जरूरत है। इनका श्राप से संबंध किसी स्थापित कारण-परिणाम के बजाय सांस्कृतिक व्याख्या का मामला है। फिर भी, कहानी में 'विवेक' या सही समझ पर जोर देने से यह समझने में मदद मिलती है कि यह कहानी आज भी इतनी असरदार क्यों है। इसके केंद्र में एक ऐसे शासक की कहानी है जिसने कथित तौर पर जा दिए जाने के बाद शाही दरबार को सही फैसला न ले पाने के लिए श्राप दिया था। यह कहानी उस मुहावरे और किंवदंती को बीच संबंध बताती है, हालांकि यह साफ तौर पर यह नहीं बताती कि यह मुहावरा आम बोलचाल में कब आया, जब नेपाल संकट का सामना करता है, तो यह कहानी फिर से क्यों धर्वा में आ जाती है — भीम मल्ला की कहानी नेपाल की मुश्किलों पर धर्वा करने के लिए एक सांस्कृतिक सदर्भ देती रही है। इसकी मुख्य बात शाही दरबार में सही फैसला न ले पाने की विफलता है, जिसके बाद एक श्राप इसी वजह से, बाद में उनका पतन उस कथित श्राप की कहानी का मुख्य हिस्सा बन गया वह आरोप दिया गया।

ऐतिहासिक लेख के संपादक का मानना ​​छथा कि यह श्राप उनके समय तक भी बना हुआ था। आजकल की बातचीत में, इस मुहावरे का इस्तेमाल तब निराशा जाहिर करने के लिए किया जाता है जब नेपाल राजनीतिक अनिश्चितता, शक के आधार पर काम किया, एक अधिकारी जिसे सजा—ए-मौत दी गई और एक पत्नी जिसका दुख पूरे राज्य की किस्मत से जुड़ गया।

क्या काले होंठों की वजह से शर्मिंदगी होती है महसूस? तो गुलाबी होंठ पाने के लिए आजमाएं ये घरेलू उपाय



जिस तरह चेहरे के दाग-धब्बे उसकी चमक कम कर सकते हैं, उसी तरह काले होंठ भी आपकी खूबसूरती को कम कर सकते हैं, हममें से ज्यादातर लोग होंठों के कालेपन को छिपाने के लिए केमिकल वाली लिपस्टिक और बाम का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, आप कुछ प्राकृतिक तरीकों से इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। कुछ आसान और प्राकृतिक घरेलू नुस्खों की मदद से आप अपने होंठों का प्राकृतिक गुलाबी रंग वापस पा सकते हैं। यहां कुछ असरदार घरेलू नुस्खे दिए गए हैं...

होंठ काले क्यों हो जाते हैं? होंठों के काले होने के कई कारण हो सकते हैं। सिगरेट और तबाकू का सेवन पानी की कमी के कारण डिहाइड्रेशन खराब क्वालिटी के लिप बाम और लिपस्टिक का इस्तेमाल कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं धूप (न्ट त्ले) का असर बार-बार होंठों पर जीम फेरना क्या ये घरेलू उपाय असरदार हैं? शगर स्कब: काले होंठों के इलाज के लिए शगर स्कब का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए, थोड़ी चीनी में जैतून का तेल या राहद मिलाएं।

फिर इस मिश्रण से कुछ देर तक अपने होंठों की मालिश करें, फिर पानी से धो लें। इससे होंठ एक्सफोलिएट होते हैं और डेड स्किन सेल्स हट जाते हैं। ऐसा करने से सचमुच अच्छे नतीजे मिलते हैं। नींबू: नींबू एक प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट के तौर पर काम करता है और होंठों के कालेपन को कम करने में मदद कर सकता है। अपने होंठों पर नींबू का रस लगाएं और लगभग 15 मिनट बाद पानी से धो लें। ऐसा करने से काले और पिगमेंटेड होंठों का रंग धीरे-धीरे हल्का होता है और वे प्राकृतिक रूप से गुलाबी और चमकदार दिखने में मदद मिलती है। खीरा: खीरे का रस काले होंठों के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसके गुण पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करते हैं। खीरे का एक टुकड़ा काटें और उसे कुछ मिनटों तक अपने होंठों पर रगड़ें। लगभग 10 मिनट बाद पानी से धो लें। यह तरीका होंठों के कालेपन को कम करने के साथ-साथ उन्हें हाइड्रेटेड और मुलायम बनाने में भी मदद करता है। बादाम का तेल: बादाम के तेल में विटामिन E और दूसरे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। यह होंठों को

मॉइस्चराइज करता है, जिससे होंठों का कालापन कम करने में मदद मिल सकती है। अगर आप होंठों का कालापन कम करना चाहते हैं, तो रोज रात को सोने से पहले होंठों पर बादाम का तेल लगाएं और सुबह पानी से धो लें। चुकंदर: चुकंदर में एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं और यह होंठों के कालेपन को कम करने में मदद कर सकता है। रोजाना सोने से पहले होंठों पर चुकंदर का रस लगाने से होंठों का कालापन कम होता है और उनकी प्राकृतिक गुलाबी रंगत लौटती है। ध्यान देने वाली बात काले होंठों को गुलाबी और सुंदर बनाने के लिए लॉग अक्सर सबसे पहले घरेलू नुस्खे आजमाना पसंद करते हैं। हालांकि, ये नुस्खे हर किसी पर काम नहीं करते और न ही इनसे सही नतीजे मिलने की कोई गारंटी होती है। इसलिए, होंठों के कालेपन को कम करने के लिए शहद, नींबू का रस, हल्दी या बेकिंग सोडा जैसी चीजों का इस्तेमाल करने से पहले किसी एक्सपर्ट से सलाह लेना बेहतर होता है। (डिस्कलेमर: यहां दी गई हेल्थ से जुड़ी जानकारी और सुझाव सिर्फ एजुकेशनल मकसद के लिए हैं।)

पीरियड्स से पहले शरीर क्यों देने लगता है अलग संकेत, डॉक्टर से जानें क्या ये बदलाव है नॉर्मल?



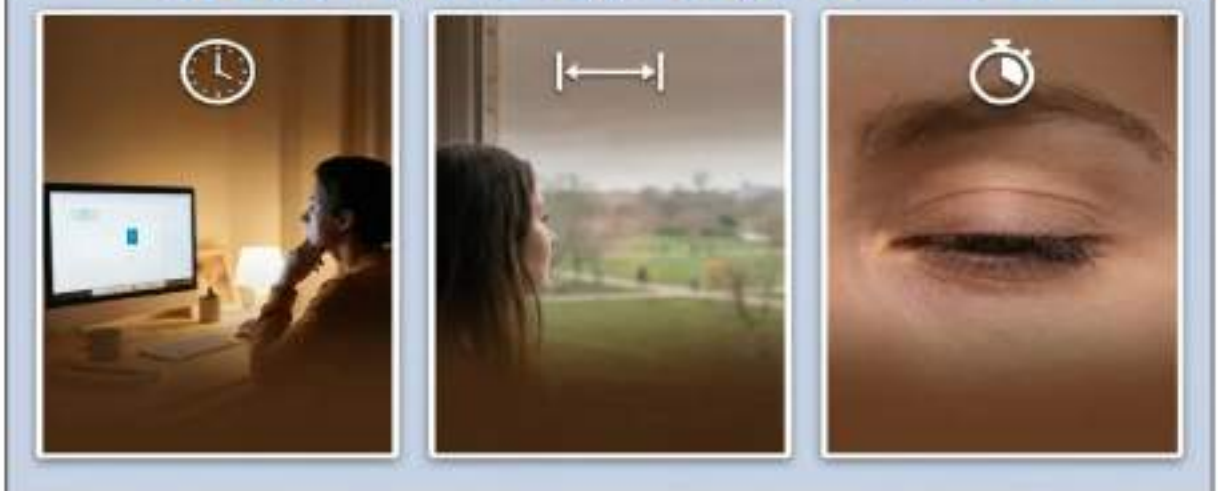
महिलाओं को अक्सर इस बात से शिकायत होती है कि उनका मेस्ट्रुअल साइकिल नियमित है, टेस्ट भी ठीक आते हैं फिर भी पीरियड्स से पहले शरीर में अजीब क्यों महसूस होता है। ऐसे में वे अक्सर डॉक्टर से सवाल पूछती हैं कि जब सब कुछ नॉर्मल है तो इस तरह का अलग एक्सपीरियंस क्यों? दिल्ली स्थित मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अल्का दहिया कहती हैं कि पीरियड्स के पहले इस तरह का बदलाव सामान्य है। बकौल डॉक्टर, "मेस्ट्रुअल साइकिल के दौरान हार्मोन बदलते रहते हैं। पीरियड्स से हफ्ते, दो हफ्ते पहले एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन बढ़ते हैं और फिर अचानक घट जाते हैं। शरीर इसी बदलाव के लिए बना है लेकिन इन हार्मोन के उतार-चढ़ाव से कई तरह के लक्षण पैदा हो सकते हैं।" पीरियड्स से पहले नजर आते हैं ये लक्षण पीरियड्स से पहले जो लक्षण आमतौर पर दिखते हैं उनमें सूजन पानी की जमा होना, पेट में भारीपन स्तनों में कोमलता या भरापन मूड स्विंग, चिड़चिड़ापन, उदासी, नींद की समस्या, थकान, मीठा या नमकीन

खाने की लालसा और खून बहना शुरू होने से पहले सिरदर्द, मुँहासे या हल्की ऐंठन शामिल हैं। इसके अलावा पीरियड्स में अगर आपको कुछ इस तरह के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। डॉ. अल्का दहिया कहती हैं कि इसका कारण हार्मोनल बदलाव में छिपा है। ये बदलाव दिमाग में मौजूद रसायनों को प्रभावित करते हैं जैसे सेरोटोनिन जो मूड, नींद और भूख को नियंत्रित करता है। प्रोजेस्टेरोन पाचन को धीमा कर देता है इसलिए सूजन और कब्ज आम हो जाते हैं। पानी का संतुलन भी बदल जाता है जिससे शरीर फूला हुआ महसूस हो सकता है जो पीरियड्स शुरू होने के बाद ठीक हो जाता है। लक्षण कैसे होंगे कंट्रोल? इन लक्षणों को कम करने के लिए रोजाना थोड़ा पैदल चलना, हल्का व्यायाम करना, समय पर सोना आदि शामिल हैं। पीरियड्स के पहले हफ्ते में कॉफी नमक और रेडीमेड डिब्बाबंद खाने की मात्रा कम करें। कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर खाने की चीजें जैसे दही, हरी सब्जियाँ और मेवे शामिल करें। दो से तीन पीरियड्स धित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

तक अपने लक्षणों को नोट करते रहें। कब जांच है जरूरी? अगर पीरियड्स के दौरान आपको मूड स्विंग बहुत तेजी से हों या बहुत ज्यादा खून बहने लगे, तेज दर्द या ऐसे लक्षण जो समय के साथ बर्दाश्त से बहार हो जाएं उनकी जांच जरूरी है। कभी-कभी पीएमडीडी थायरॉइड की समस्या एंडोमेट्रियोसिस या फाइब्रॉइड जैसी स्थितियों साधारण पीएमएस समझ ली जाती है इसलिए इसकी जांच जरूरी है। एम्बेस्ड्ड इमप्लांट (इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कॉफी नमक और रेडीमेड डिब्बाबंद खाने की मात्रा कम करें। कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर खाने की चीजें जैसे दही, हरी सब्जियाँ और मेवे शामिल करें। दो से तीन पीरियड्स धित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

कंप्यूटर, लैपटॉप पर काम करने वालों के लिए 20,20,20 का नियम, आंखों में होने वाली इन बीमारियों से बच सकते हैं

आंखों का 20,20,20 नियम



आंखों में नजर से जुड़ी समस्या जब तक नहीं होती, हम रोजाना की दिनचर्या में इन पर कोई ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में आंखों से जुड़ी समस्याएं जिस तेजी से बढ़ी हैं, बच्चों और युवाओं को अपनी आंखों की खास देखभाल करने की जरूरत है। इससे प्रिवेंटेबल ब्लाइन्डनेस को रोका जा सकता है। इसके लिए आंखों की नियमित जांच, आंखों के लिए खराब स्थितियों और समय पर सही इलाज की जानकारी जरूरी है। आंखों की रोशनी बचाने के लिए कुछ आसान लेकिन नियमित आदतें भी जरूरी हैं। युवाओं को नियमित रूप से आंखों की पूरी जांच करानी चाहिए, भले ही उन्हें किसी तरह की परेशानी महसूस न हो। डॉक्टर महिपाल सिंह सचदेव (वैयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, सेंटर फॉर साइट

युप ऑफ हॉस्पिटल्स) के मुताबिक, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, परिवार में ग्लूकोमा या आंखों से जुड़ी दूसरी बीमारी का इतिहास होने पर ज्यादा नियमित जांच की जरूरत हो सकती है। बच्चों की भी नजर की जांच कराना जरूरी है, खासकर अगर उन्हें बार-बार सिरदर्द होता है, पढ़ने में परेशानी होती है, वे बार-बार आंखें मलते हैं, आंखें सिक्कोड़कर देखते हैं या स्कूल में बोर्ड देखने में दिक्कत होती है। खेल के दौरान या मशीनरी और केमिकल के साथ काम करते समय सही आई प्रोटेक्शन पहनने से आंखों में होने वाली गंभीर घोटों से बचाव किया जा सकता है। आंखों के लिए जरूरी 20,20,20 नियम अगर आप लैपटॉप या कंप्यूटर पर काम करते हैं, डिजिटल स्क्रीन पर समय बिताते हैं तो आंखों को आराम देना भी जरूरी है। रोजमर्रा की

दिनचर्या में आई केयर को शामिल करना जरूरी है। इसके लिए आप 20-20-20 नियम अपना सकते हैं। इससे डिजिटल आई स्ट्रेन को कम करने में मदद मिल सकती है। इस नियम में आपको हर 20 मिनट में करीब 20 फीट दूर किसी चीज को 20 सेकंड तक देखना होता है। पर्याप्त रोशनी, स्क्रीन को आंखों से सही दूरी पर रखना, बार-बार पलकों झपकाना और पूरी नींद लेना भी आंखों को आराम देने में मदद कर सकता है। आंखों में होने वाली बीमारी और उनके कारण प्रिवेंटेबल ब्लाइन्डनेस की शुरुआत हमेशा किसी गंभीर या साफ दिखाई देने वाली आंखों की बीमारी से नहीं होती। कैंटरेक्ट, ग्लूकोमा, डायबिटिक आई डिजीज, नजर का नंबर, कॉर्निया से जुड़ी बीमारियाँ और रेटिना से जुड़ी कुछ बीमारियाँ धीरे-धीरे नजर को प्रभावित

छातंतजतप 2026: सुबह पूजा करने से पहले चाय या कॉफी पीनी चाहिए या नहीं? जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट



नवरात्रि का शुभ त्योहार वृषाई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक है। इस दौरान देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है, पहले दिन शैलपुत्री से शुरुआत होती है और नौवें दिने सिद्धिदात्री के साथ समापन होता है। भक्त पूरी श्रद्धा के साथ पूजा करते हैं और देवी को प्रसन्न करने के लिए कड़ा व्रत रखते हैं, माना जाता है कि जब शरीर की भौतिक जरूरतें कम हो जाती हैं, तो मन में ईश्वर के लिए अधिक स्थान बनता है। ज्योतिषाचार्य डॉ. उमाशंकर मिश्रा का कहना है कि 'व्रत' शब्द का अर्थ ही एक दृढ़ संकल्प है। नवरात्रि का व्रत रखने का मतलब सिर्फ खाने-पीने से परहेज करना नहीं है, यह एक आध्यात्मिक साधना है और शरीर, मन व आत्मा की शुद्धि के लिए लिया गया एक संकल्प है। इसलिए, कई लोग अक्सर सोचते हैं कि क्या पूजा करने से पहले चाय या कॉफी पीनी चाहिए, क्या इनके सेवन से व्रत टूट जाता है? इस रिपोर्ट में इसका जवाब जानें क्या पूजा करने से पहले चाय या कॉफी पीनी चाहिए या नहीं, यह आपकी निजी मान्यताओं, परंपराओं

और पारिवारिक रीति-रिवाजों पर निर्भर करता है। इस मामले में धार्मिक और स्वास्थ्य, दोनों ही नजरिए से अलग-अलग राय हैं। धार्मिक नजरिए से देखें तो कुछ परंपराओं और परिवारों में व्रत के दौरान चाय या कॉफी पीने की मनाही नहीं होती और लोग इनका सेवन करते भी हैं, वहीं, कुछ धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चाय और कॉफी में कैफीन या उत्तेजक तत्व होते हैं, इसलिए, पूरी तरह शुद्ध व्रत के लिए इन्हें सही नहीं माना जाता है। अगर आप व्रत के दौरान दूध या चीनी वाली चाय पीते हैं, तो कुछ परंपराओं में इसे व्रत के नियमों का उल्लंघन माना जाता है, क्योंकि इन चीजों की तुलना अनाज या भारी भोजन से की जाती है। दूसरी ओर, कुछ घरों में दूध का कॉफी या दूध का चाय पीने को व्रत का उल्लंघन नहीं माना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब आपके परिवार की परंपराओं पर निर्भर करता है। सेहत के नजरिए से, सुबह खाली पेट चाय पीने से एसिडिटी, सीने में जलन, पेट फूलना, जी मिचलाना या अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं, सुबह कॉफी लेने से शरीर में

कॉर्टिसोल का लेवल कुछ समय के लिए बढ़ सकता है। खाली पेट इसे पीने से घबराहट, कंपन या एग्जायटी महसूस हो सकती है। चाय में टैनिन और कॉफी में ऐसे कंपाउंड होते हैं जो शरीर में जरूरी मिनरल्स (जैसे आयरन और कैल्शियम) के अवशोषण में रुकावट डाल सकते हैं, खासकर तब जब इन्हें बिना कुछ खाए लिया जाए। ये दोनों ड्रिंक्स हल्के डायग्नोस्टिक की तरह काम करते हैं और आंतों की मांसपेशियों को उर्ते, जित करते हैं। अगर आपने पहले पानी नहीं पिया है, तो इससे तुरंत मल त्यागने की इच्छा हो सकती है या चक्कर आ सकते हैं। जरूरी बात अगर आप नौ दिन का नवरात्रि व्रत रख रहे हैं, तो सुबह खाली पेट चाय या कॉफी पीने से बचें, इसकी जगह आप नारियल पानी, सादा पानी या नींबू पानी ले सकते हैं। आप ताजे फलों का जूस भी पी सकते हैं, ये चीजें आपको पूरे दिन एनर्जेटिक रखेंगी और पेट को ठंडा रखने में मदद करेंगी। जानकारों का कहना है कि खाली पेट चाय या कॉफी पीने से पेट से जुड़ी कई परेशानियाँ हो सकती हैं, जिनकी वजह से आपको अपना व्रत तोड़ना

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम का हुआ ऐलान, चार नए खिलाड़ियों की ज20 स्क्वाड में हुई एंट्री



इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। जिसमें कई इंग्गिज खिलाड़ियों को आराम दिया गया है तो कई नए खिलाड़ियों को शामिल भी किया गया है। दोनों देशों के बीच नवंबर में 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज होने वाली है। बोर्ड ने जू20 सीरीज के लिए कई मुख्य तेज गेंदबाजों को आराम दिया गया है, क्योंकि उनकी ध्यान दक्षिण अफ्रीका में होने वाली टेस्ट सीरीज और 2027 वर्ल्ड कप पर है।

इससे पहले इंग्लैंड का पाकिस्तान दौराइस सीरीज से पहले इंग्लैंड की टीम को पाकिस्तान में एक ट्राई सीरीज खेलनी है, जिसमें तीसरी टीम श्रीलंका है. इस ट्राई सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम गुरुवार को पाकिस्तान के लिए रवाना होगी.

पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ खेलने वाली टीम की तुलना में ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए व्व टीम में दो बदलाव किए गए हैं। टीम में जोफ्रा आर्चर और जैकब व्हेल की वापसी हुई है। तेज गेंदबाज को आराम दिया गया था, जबकि व्हेल जुलाई में भारत के खिलाफ व्व सीरीज के दौरान घुटने की चोट के कारण बाहर थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम का हुआ ऐलान
ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम का हुआ ऐलान (पृष्ठ)

चीफ सिलेक्टर ने क्या कहा
इंग्लैंड के चीफ सिलेक्टर मार्कस नॉथ
ने कहा, 'व्व सीरीज के लिए जैकब
वेथेल और जोफ्रा आर्चर की वापसी
का मतलब है कि हम वर्ल्ड कप की
तैयारी के दौरान लगभग अपनी पूरी

मजबूती के साथ खेलेंगे. तीन मैचों की व्व सीरीज के बाद ये चार तेज गेंदबाज (जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, सोनी बेकर और जोश टॉग) जाएंगे क्योंकि हमले दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट दौरे से पहले उनके वर्कलोड को मैनेज करना चाहते हैं.' मुख्य गेंदबाज को आराम टी20 सीरीज से तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, सोनी बेकर और जोश टॉग को 21 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की ज20 सीरीज के लिए आराम दिया गया है. लेकिन 12 नवंबर से शुरू होने वाली तीन व्व मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड ने अपनी मजबूत टीम चुनी है.

इंग्लैंड के 20 स्क्वाड में चार नए खिलाड़ियों की हुई एंट्री
इंग्लैंड के 20 स्क्वाड में चार नए खिलाड़ियों की हुई एंट्री (पाँच)
टी20 में चार नए चेहरे

ईपीएफओ ने साफ कर दिया है कि पीएफ टीडीएस छूट के लिए अब पुराने फॉर्म 15ब् और फॉर्म 15* स्वीकार नहीं किए जाएंगे.



नई दिल्ली: अगर आप 5 साल की लगातार सेवा पूरी होने से पहले अपने प्रोविडेंट फंड का पैसा निकालने की सोच रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जल्दुरी है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के मुताबिक, टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स (जी) से छूट का दावा करने के लिए अब आपको एक बिल्कुल नई प्रक्रिया का पालन करना होगा। टैक्स वर्ष 2026-27 से ईपीएफओ ने ताफ़र कर दिया है कि पीएफ़ टीडीएस छूट के लिए अब पुराने फॉर्म 15ड और फॉर्म 15ए स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसकी जगह अब आवेदकों को इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के तहत फॉर्म 121 जमा करना अनिवार्य कर दिया गया है। 5 साल से कम की सर्विस पर क्यों कटता है जी? इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के सेक्शन 192। के तहत, अगर कोई ईपीएफ़ओ गेयर 5 साल की लगातार सर्विस पूरी

करने से पहले अपने पीएफ का बैसा निकालता है, तो उस पर टीडीएस काटा जा सकता है। यह टीडीएस कटौती पूरी तरह से 5 साल की सेवा की शर्त पर आधारित है। इनकम टैक्स एक्ट 2025 के अनुसार, यदि कर्मचारी ने 5 साल की निरंतर सेवा पूरी नहीं की है, तो ईपीएफ से निकासी पर सेवकान 192। के तहत सोर्स पर टैक्स यानी टीडीएस काटा जाता है। क्या है फॉर्म 121? फॉर्म नंबर 121 इनकम टैक्स सल्ट्स, 2026 के तहत निर्धारित एक वैधानिक घोषणा है, इसके जरिए कोई भी टैक्सपेयर यह घोषणा करता है कि संबंधित टैक्स वर्ष के लिए उसकी अनुमानित कुल आय पर टैक्स देनदारी शून्य है। इसी घोषणा के आधार पर, बैसा देने वाले यानी डिडक्टर को यह अनुमति मिलती है कि वह तब शुभगतों पर सोर्स पर टैक्स न काटे। समय पर जमा करना है।

जल्द ही घोषणा करने वाले आवेदकों को समय पर डिडक्टर को वह फॉर्म देना होगा ताकि शुरुआत में ही टैक्स न काट जाए। इसे जमा करने का सबसे सही समय यह है,आय खाली में जमा होने या भुगतान किए जाने से ठीक पहले, बेहतर यही होगा कि इसे टैक्स वर्ष की शुरुआत में ही जमा कर दिया जाए।

जानिए कैसे फाइल करें फॉर्म 121 सबसे पहले इनकम टैक्स की ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाए,अपनी यूजर आईडी (ज ७४) और पासवर्ड का उपयोग करके ई-फाइलिंग पोर्टल पर लॉग इन करें,इसके बाद 'म-थ्रसम' झ 'पदबवउम' ॐ 'थ्वतरे' झ 'थ्सम पदबवउम' ॐ 'थ्वतरे' पर जाए,वहां 'थ्वतरे' ॐ तै पदबवउम ॐ 'बज 2025' ॐ टैगरी के अंदर, 'वमकनबजपवद दक थ्ससमबजपवद

वर्ल्ड कप 2027 का क्रेज, 12 दिन में 15 मिलियन से ज्यादा लोगों ने टिकट के लिए किया आवेदन

अगले साल नए फॉर्मेट में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप को देखने के लिए फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हैं। इस का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 12 दिन पहले इस प्ब टूर्नामेंट के टिकटों के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू की गई और तबसे अब तक 15 मिलियन से ज्यादा लोग टिकट हासिल करने के लिए आवेदन कर चुके हैं। ये आंकाड़ा इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (प्ब) की तरफ से मंगलवार को जारी किया गया है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'अब तक टिकटों के लिए एक करोड़ 50 लाख 83 हजार 752 आवेदन मिले हैं जिसके लिए 142 देश के प्रशंसकों ने 44 लाख 23 हजार 417 पंजीकरण कराए हैं।' अब ये क्या कहा? प्ब के सीईओ संजोग गुप्ता ने इस शानदार प्रतिक्रिया को भेद टूर्नामेंट की वैश्विक लोकप्रियता, अफ्रीकी मेजबान देशों के आकर्षण और लॉन्च से पहले की गई प्रचार गतिविधियों को दिया। उन्होंने कहा, 'टिकटों की जबरदस्त मांग क्रिकेट वर्ल्ड कप के कद और लोकप्रियता, एक डिस्टिनेशन के तौर पर अफ्रीका के आकर्षण और इवेंट के लॉन्च से पहले प्ब और उसके सहयोगियों की प्रचार गतिविधियों से बने उत्साह का सबूत है। बात दें कि क्रिकेट को फैंस 21 नवंबर, 2026 तक टिकट हासिल



करने के लिए रजिस्टर करा सकते हैं, टिकटों की इतनी बड़ी डिमांड से पता चलता है कि दक्षिण अफ्रीका,

जिम्बाब्वे और नामीबिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट को लेकर लोगों में कितना उत्साह है. वर्ल्ड कप 2027 का शेड्यूल वर्ल्ड कप 2027 अगले साल 2 अक्टूबर से 21 नवंबर तक नए फॉर्मेट में खेला जाएगा. जिसमें कुल 14 टीमें भाग लेंगी. भारत और पाकिस्तान को एक ही पूल में रखा गया है. इसलिए इन दोनों पड़ोसी देशों के बीच ग्रुप स्टेज में एक उत्साह है. वर्ल्ड कप 2027 का शेड्यूल वर्ल्ड कप 2027 अगले साल 2 अक्टूबर से 21 नवंबर तक नए फॉर्मेट में खेला जाएगा. जिसमें कुल 14 टीमें भाग लेंगी. भारत और पाकिस्तान को एक ही पूल में रखा गया है. इसलिए इन दोनों पड़ोसी देशों के बीच ग्रुप स्टेज में एक रोमांचक और अहम मुकाबला हो देखने को मिलेगा, जो 10 अक्टूबर को जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा. इस बड़े टूर्नामेंट के बारे में और जानकारी के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके पढ़ सकते हैं.

जानकारी के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके पढ़ सकते हैं.

मार्केट क्रैश: सेंसेक्स 1045 अंक गिरा,
निफ्टी साल के सबसे निचले स्तर पर बंद



शेयर बाजार में धुआंधार तेजी, सेंसेक्स 1109 अंक चढ़कर बंद

भारतीय शेयर बाजार ने मंगलवार को पिछले सत्र की गिरावट से उबरते हुए एक शानदार वापसी की. सूचन प्रौद्योगिकी (प्न) और बैंकिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों में आई भारी लिवाली, रुपये में सुधार और लॉन्ग-टर्म कैपिटल गैन्स (स्पेक्स) टेक्स पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सकारात्मक बयानों से बाजार को जबरदस्त बूस्ट मिला. सेंसेक्स और निफ्टी में चार महीने की सबसे बड़ी तेजीकारीरोब के अंत में, 30 शेयरों वाला बीएसई (0म) सेंसेक्स 1,109.10 अंक या 1.54 प्रतिशत की भारी बढ़त के साथ अपने दिन के उच्च स्तर के करीब 73,033.78 पर बंद हुआ. यह पिछले चार महीनों में सेंसेक्स की एक दिन की सबसे बड़ी तेजी है. इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला निफ्टी भी 358.60 अंक या 1.60 प्रतिशत चढ़कर 22,721.95 के स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले दो महीनों में इसका सबसे बेहतरीन एकल-दिवसीय प्रदर्शन है.

आज का बाजार आज का बाजार (म्ट टीएनटी) एचसीएल टेक के शानदार नतीजों से आईटी सेक्टर में आई बहार

आज की इस चौतरफा तेजी के मुख्य ट्रनल और मारुति सुजुकी के शेयर में गिरावट दर्ज की गई। म्जट ठीतआज के चढ़ने वाले प्रमुख शेयर (म्जट ठीतज)वित्त मंत्री के बयान और रुपये की मजबूती से बढ़ा भरोंस। बाजार की धारणा को वित्त मंत्री

निर्मला सीतारमण के उस बयान से सहारा मिला, जिसमें उन्होंने कहा कि एलटीसीजी (स्क्वज) टेक्स और एसटीटी (जे) पर चल रही बहस एक स्वस्थ संकेत है और वह इसे बेहद ध्यान से सुन रही हैं। इसके साथ ही, आरबीआई (रुप) द्वारा डेरिवेटिव मार्केट में सट्टा व्यापार पर रोक लगाने के कदमों के बाद भारतीय रुपया 41 पैसे मजबूत होकर 95.37 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपये में पिछले तीन दिनों में 1.5: से अधिक का सुधार आया है, जिससे विदेशी पूंजी की निकासी की चिंताएं कम हुई हैं।

म्ट हीतजनकाए आईटी स्टॉक्स रहे। एचसीएल टेक्नोलॉजीज (भस् जम्बी) का शेयर 8.28 प्रतिशत उछलकर बंद हुआ। कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही (फ2 थ्र27) के लिए अपने समेकित शुद्ध लाभ में 21.18 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो बढ़कर 15,132 करोड़ हो गया है। कंपनी को यह मुनाफा उन्नत आईई (15) संचालन से बड़े मार्जिन और कम टेक्स आउटगो के कारण मिला है। इसके असर से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (जे) में 6.59 प्रतिशत, टेक महिद्रा में 4.90 प्रतिशत और इफोसिस में 4.44 प्रतिशत की मजबूत बढ़त देखी गई।

इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक जैसे ब्लू-चिप शेयरों ने भी बाजार को दूसरी तरफ जोर में अहम भूमिका निभाई।

एटरनल और मारुति सुजुकी के शेरों में गिरावट दर्ज की गई, म्प्ट टीतंआज के चढ़ने वाले प्रमुख शेर (म्प्ट टीतंज)वित्त मंत्री के बयान और रुपये की मजबूती से बढ़ा भरोसा बाजार की धारणा को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस बयान से सहारा मिला, जिसमें उन्होंने कहा कि एलटीसीजी (रज्ज) टैक्स और एसटीटी (ज्ज) पर चर्चा रही बहस एक स्वरूप संकेत है और वह इसे बेहद ध्यान से सुन रही है। इसके साथ ही, आरबीआई (रुप) द्वारा डेरिवेटिव मार्केट में सट्टा व्यापार पर रोक लगाने के कदमों के बाद भारतीय रुपया 41 पैसे मजबूत होकर 95.37 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपये में पिछले तीन दिनों में 1.5: से अधिक का सुधार आया है, जिससे विदेशी पूंजी की निकासी की वित्ताएं कम हुई हैं। म्प्ट टीतंआज के गिरने वाले प्रमुख शेर (म्प्ट टीतंज)वैश्विक मोर्वे पर, ब्रेट क्रूड ऑयल 1.66 प्रतिशत गिरकर 104.6 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को थोड़ा राहत मिली। हालांकि, एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख रहा, जहां दक्षिण कोरिया का कोरपी 5.46 प्रतिशत तक बढ़ गया, जबकि यूरो। पीय बाजार बढ़त के साथ कोरबांर कर रहे थे। विशेषज्ञों के अनुसार, मजबूत कॉर्पोरेट अर्निंग और रुपये की स्थिरता ने बड़े निवेशकों का भरोसा बनाल किया है, जिससे आने वाले दिनों में बाजार की तेजी बरकरार रहने की उम्मीद है।

एशियन गेम्स 2026 में भारत ने जीते कुल 85 मेडल, देखें किस खेल में मिला गोल्ड ?



शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन वेडमिंटन और टेनिस के खिलाड़ियों ने सबसे ज्यादा निराश किया, क्योंकि वेडमिंटन में केवल एक मेडल ही मिल सका वो भी टीम इवेंट में, इसका अलावा को इंडिविजुअल में कोई भी मेडल नहीं आ सका, जो कि 2014 के

बाद पहली बार है, वहीं टेनिस में वो भी भारत एक भी मेडल नहीं जीत सका। भारत को किस खेल में मिला गोल्ड एशियन गेम्स 2026 में कुल 43 खेलों में से भारत ने 20 खेलों में 85 मेडल जीते, हालांकि भारत ने सिर्फ 34 खेलों में भाग लिया था। तीरंदाजी में भारत का सबसे शानदार प्रदर्शन रहा, जिसमें उन्होंने 5 गोल्ड समेत कुल 9 मेडल जीते, इसके बाद ब्रिटिश और बॉक्सिंग में तीन-तीन गोल्ड मिले, जबकि क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी और कुश्ती में दो-दो गोल्ड जीतकर सबसे चौका दिया। भारत ने इस एशियन गेम्स में कुल 21 गोल्ड जीते।

एशियन गेम्स 2026 का आज आखिरी दिन है। इस दिन भारत का कोई मैच नहीं है, इसलिए भारत के मेडल टैली में किसी तरह के कोई बढ़ोतरी का कोई चांस नहीं है। 19 सितंबर से शुरू होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन पिछले एशियाई खेलों के मुकाबले अच्छा नहीं रहा, क्योंकि भारत एशियन गेम्स 2026 के मेडल टैली में चौथे स्थान पर तो जरूर है लेकिन उसके मेडल पिछले एशियन गेम्स से 22 मेडल कम है। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने तीरंदाजी, बॉक्सिंग, हॉकी, क्रिकेट, कुस्ती, शूटिंग, कबड्डी और स्क्वाश में

सुशांत सिंह राजपूत-रिया चक्रवर्ती केस से इस्पायर्ड थी मृणाल ठाकुर की फिल्म 'पूजा मेरी जान'? डायरेक्टर ने किया खुलासा

1-मॉर्फेड तस्वीरों पर 'दुश्मन 3' एक्ट्रेस श्रिया सरन बोली- शरीर के किसी भी अंग का आकार बदल देते हैंहाल ही में जाइवी कपूर ने फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' के अपने गाने 'घुड़गल्ले' के एआई से बने अश्लील वीडियो की कड़ी निंदा की थी. वायरल हुए इस वीडियो में जाइवी के चेहरे को डिजिटल रूप से इस तरह बदला गया था, जो मूल गाने का हिस्सा बिल्कुल नहीं थे. एक्ट्रेस ने महिलाओं को कंटेंट के रूप में पेश करने के लिए एआई के 'अपराधिक दुरुपयोग' की कड़ी आलोचना की और वीडियो को 'बेहद अपमानजनक' बताया था. अब एक इंटरव्यू में दुश्मन 3 की एक्ट्रेस श्रिया सरन ने इस संगीन मुद्दे पर बात की है. बता दें, श्रिया खुद एआई के दुरुपयोग का शिकार हो चुकी हैं और उनकी कई मॉर्फेड तस्वीरें वायरल हुई थीं. के दुरुपयोग पर क्या बोली एक्ट्रेस?एक्ट्रेस ने कहा, 'यह अजीब है. कभी-कभी तो मुझे खुद भी नहीं पता चलता कि यह सिर्फ मेरे साथ हो रहा है या नहीं. वे आपको शरीर के संवेदनशील अंगों के आकार बदल देते हैं, अचानक से आपका पहनावा गायब हो जाता है या आपका शरीर कोई हिस्सा बढ़ा कर देते हैं. यह परेशान करने वाला है और यह सही नहीं है.'श्रिया ने बताया 1- के फायदेएक्ट्रेस ने नुकसान के साथ-साथ एआई के इस्तेमाल के फायदे भी गिनाए हैं. एक्ट्रेस ने कहा,



'हालांकि एआई हमें बहुत कुछ दे सकता है और हमारी बहुत मदद कर सकता है, लेकिन यह हमारे लिए बहुत कुछ बदल भी सकता है. यह खतरनाक चीजों को जन्म दे सकता है. मुझे लगता है कि यह बात हर तकनीक पर लागू होती है. समय के साथ, हमें या तो इसके साथ जीना सीखना होगा या इससे निपटना होगा.'श्रिया आगे बताती हैं कि साल 2001 में फिल्म 'इश्क' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के बाद से 'बहुत सी अन्य चीजें भी बदल गई हैं. उन्होंने कहा, 'हमारे पास मेकअप वैन नहीं होती थीं. मेरी

शुरुआती तीन फिल्मों में तो मेरे पास मेकअप वैन नहीं थी. हम कोई पेड़ दूँद लेते और उसके नीचे बैठकर साथ में दोपहर का खाना खाते थे. एक तरह से यह बहुत खूबसूरत था. अच्छी बात यह है कि मुझे आज भी अपने कुछ सह-कलाकारों और निर्देशकों के साथ हुई बातचीत याद है. हम साथ बैठकर जीवन और किताबों पर चर्चा करते थे. हम रिकॉर्डर लाया करते थे और सब साथ में संगीत सुनते थे.'एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'अब तो हर किसी के पास इंटरफोन होते हैं और पता भी नहीं चलता कि दूसरा क्या सुन रहा है.

फैंस की डिमांड पर विजय सेतुपति की 'बत्था' की पहुंच बढ़ी, अब देशभर के 700 से अधिक सिनेमाघरों में देखें फिल्म



हैदराबाद: 1 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'बत्था' को दर्शकों से लगातार सराहना मिल रही है. दर्शकों की बढ़ती मांग को देखते हुए, निर्माताओं ने अब फिल्म की सिनेमाघरों में पहुंच का विस्तार उत्तर भारत के प्रमुख बाजारों तक कर दिया है, जिनमें मुंबई, दिल्ली, लखनऊ, नोएडा और अन्य क्षेत्र शामिल हैं. इसके साथ ही, देशभर के दर्शक अब इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देख सकते हैं. अपनी स्थिर थिएट्रिकल रन को जारी रखते हुए, 'बत्था' फिलहाल देशभर के लगभग 700 सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है. फिल्म की

दिलचस्प कहानी, दमदार अभिनय और निर्देशन के खास अंदाज ने दर्शकों से मिल रही उत्साहजनक प्रतिक्रिया में अहम योगदान दिया है. उत्तर भारतीय बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाकर, फिल्म का उद्देश्य अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचना और रिलीज के बाद से मिले उत्साह को आगे बढ़ाना है. 'बत्था' विजय सेतुपति और एटली को 'जवान' की सफलता के बाद एक बार फिर साथ भी लाती है. दमदार कहानी और व्यापक दर्शक अपील वाली फिल्मों को समर्थन देने के लिए पहचाने जाने वाले मुराद खेतानी ने धीरे-धीरे सिने 1 स्टूडियो को महत्वाकांक्षी और व्यावसायिक रूप

से प्रेरित सिनेमा से जुड़े एक प्रतिष्ठित बैनर के रूप में स्थापित किया है. 'बत्था' इस सफर में एक और कदम है, जो देशभर की प्रतिभाओं को एक साथ लाते हुए फिल्म को भाषाई सीमाओं से परे ले जाती है. विजय सेतुपति के मुख्य भूमिका में होने और साई अर्भ्यंकर के संगीत के साथ, यह प्रोजेक्ट रचनात्मक प्रतिभाओं का एक प्रभावशाली संगम प्रस्तुत करता है. स्टूडियो 18 और एटली की पेशकश सिने 1 स्टूडियो और ए फॉर एप्पल स्टूडियो के बैनर तले निर्मित 'बत्था' के निर्माता आलोक जैन, अजीत अंधारे, मुराद खेतानी और

'काँफी विद करण' सीजन 9: शो के पहले गेस्ट सलमान खान, होस्ट करण जौहर ने फिर पूछा- आप वर्जिन हो, 'भाईजान' ने दिया ये जवाब

मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर ने अपने चोट शो काँफी विद करण सीजन 9 के पहले गेस्ट के नाम का खुलासा कर दिया है. उनके शो के पहले मेहमान सलमान खान होंगे. फिल्ममेकर ने सोमवार को इस एपिसोड का प्रोमो शेयर करके एक्टर के शो में आने की पुष्टि की है. वहीं, आज उन्होंने अपने शो का नया प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें वह सलमान खान से उनकी निजी जिंदगी से जुड़े सवाल पूछते दिखें. नए प्रोमो में सुपरस्टार और फिल्ममेकर के बीच खुलकर हुई बातचीत की झलक देखने को मिली, जिसमें मजाकिया नोक-झोंक, उनके पिछले अपीयरेंस की यादें और एक ऐसा सवाल शामिल है जो सालों से सलमान से पूछा जा रहा है. करण जौहर, सलमान को एक 'समझदार' इंसान बताते हुए उनके उस मशहूर कमेंट का जिक्र करते हैं जो वायरल हो गया था- 'इंसान डन, नो'. यह कमेंट सलमान के उस सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में है जिसमें उन्होंने एक्टिविस्ट सोनम बांग, चुक से जुलाई में जेन जी प्रोटेस्ट के दौरान अपना अनशन खत्म करने की अपील की थी. वहीं, सलमान भी होस्ट की टांग खिंचाई करने का कोई मौका नहीं छोड़ते. जब करण 'काँफी विद करण' के खत्म होने की बात करते हैं, तो एक्टर मजाक में 'काँफी

विद सलमान' शुरू करने की बात शायी के लिए खुद को बचाकर रख



कहते हैं. वह करण पर यह कहकर भी तंज कसते हैं कि वह सेलेब्रिटीज को यह कहकर शो में बुलाते हैं कि यह आखिरी सीजन है. हालांकि, जल्द ही करण अपने गेस्ट से एक ऐसा सवाल पूछते हैं जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा. करण जौहर ने पूछा, 'क्या आप अभी भी वर्जिन हैं?' सलमान ने जवाब में रवि किशन की नकल करते हुए कहा, 'कंट्रोल, यार ब्रदर, कंट्रोल.' यह सवाल 2013 में 'काँफी विद करण' के चौथे सीजन में सलमान के पहली बार आने की याद दिलाता है. तब करण ने एक्टर से यही सवाल पूछा था, जिस पर सलमान ने जवाब दिया था, 'हां, मैं वर्जिन हूँ और कहा था कि वह

रहे हैं. बाद में करण ने साफ किया कि सलमान ने यह जवाब मजाक में दिया था, न कि किसी गंभीर बात के तौर पर. इस प्रोमो में सलमान, करण की पहली डायरेक्टोरियल फिल्म 'कुछ कुछ होता है' का एक यादगार डायलॉग बोलते हुए नजर आते हैं. वे फिल्ममेकर से कहते हैं, 'तुसी ना जाओ, करण.' एक पल में, करण शांत दिखने के लिए सलमान की तारीफ करते हैं. इस पर एक्टर कहते हैं, 'मैंने लोग' को जो सलाह दी थी, एक समय ऐसा आया जब मुझे खुद अपनी ही सलाह पर अमल करना पड़ा.' बता दें, 'काँफी विद करण' 2004 में स्टार वर्ल्ड पर शुरू हुआ था. इस शो

नई जोड़ियां, कमाल की केमिस्ट्री: रणबीर-साई और आयुष्मान-शरवरी समेत इन फिल्मों में दिखेंगे ये फ्रेश बॉलीवुड पेयर

हैदराबाद: जब दो कलाकार पहली बार एक साथ पर्दे पर नजर आते हैं, तो उसे देखने का उत्साह कुछ अलग ही होता है. कहानी से परे, एक नए तालमेल, अनोखी केमिस्ट्री और जाने-पहचाने कलाकारों को एक बिल्कुल नए अंदाज में देखने की उम्मीद ही किसी नई जोड़ी को खास बनाती है. बॉलीवुड की आने वाली फिल्मों की रोमांचक लिस्ट को देखते हुए, पर्दे पर बने वाली कई नई जोड़ियों ने हमारा ध्यान खींचा है. दिलचस्प ड्रामे से लेकर रोमांस और भाव्य कहानियाँ तक, आइए नजर डालते हैं उन जोड़ियों पर, जिन्हें हम बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं. राजकुमार राव ने अपने हर किरदार में पूरी तरह ढल जाने



की काबिलियत से लगातार दर्शकों को प्रभावित किया है. वहीं वामिका गव्ही ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और खास स्क्रीन प्रेजेंस के दम पर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है. फिल्म प्रहार में इन दोनों का साथ आना एक दिलचस्प मेल है, खासकर

इसलिए क्योंकि दोनों ही अपने अभिनय में गहराई और तीव्रता लाने के लिए जाने जाते हैं. पहली बार साथ आ रही यह जोड़ी पर्दे पर एक नया तालमेल लेकर आने का वादा करती है. ऐसे में इनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री पर नजर रहेंगे. प्रहार 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है. यामी गौतम और आदिनाथ एम. कोठारे दु नई नवेलीयामी गौतम अपने सहज अभिनय, संयमित अंदाज और स्वाभाविक स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं. वहीं आदिनाथ एम. कोठारे इस जोड़ी में एक नई ताजगी लेकर आते हैं. नई नवेली में दोनों



हैदराबाद: रजनीकांत एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं. उनकी हिट फिल्म जेलर का सीक्वल अगले हफ्ते सिनेमाघरों में आ रहा है. यह पहली बार है, जब रजनीकांत की किसी भी फिल्म का सीक्वल आ रहा है. रजनीकांत सीक्वल में ज्यादा दिलचस्पी नहीं रखते हैं. इसलिए उन्होंने बाशा 2 और पेडा 2 के ऑफर को ठुकरा दिया था. लेकिन नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म जेलर ने उनके मन में एक ऐसा सवाल खड़ा कर दिया, जिसे वे नजर अंदाज नहीं कर सके. पहली फिल्म में टाइगर मुथुवेल पांडियन के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती खड़ी हो जाने के

बाद, वह इस भूमिका से कैसे पीछे हट सकते थे? जेलर 2 के प्री-रिलीज इवेंट में, सुपरस्टार ने बताया कि उन्होंने सीक्वल में वापसी करने के लिए क्यों सहमत दी. यह सिर्फ 2023 की फिल्म की सफलता का नतीजा नहीं था. उन्हें लगा कि इसकी कहानी ने पहले ही एक नए अध्याय की नींव रख दी थी, जिसमें कई सवाल और खतरनाक किरदार मौजूद थे. रजनीकांत ने कहा, 'मैं आमतौर पर सीक्वल फिल्मों का शौकीन नहीं हूँ, क्योंकि मुझे लगता है कि वे पहले भाग को लेते हैं और उसमें थोड़ा और मसाला डालकर उसे एक और फिल्म में बदल देते हैं.'

उन्होंने याद किया कि उनसे बाशा 2 के लिए संपर्क किया गया था और कार्तिक सुब्बाराज की ओर से पेडा 2 का ऑफर भी आया था, जिसमें विजय सेतुपति के किरदार को और अधिक आगे बढ़ाया गया था, लेकिन दोनों ही विचार उन्हें पसंद नहीं आए. जेलर 2 अलग क्यों लगी? ओटीटी पर रिलीज होने के बाद 'जेलर' फिल्म को दोबारा देखने से रजनीकांत का मन बदल गया. फिल्म के क्लाइमैक्स की ओर इशारा करते हुए, 'वर्मा चेता. वनी देता है कि उसके पीछे एक बहुत बड़ा नेटवर्क है और उसके आदमी जेलर को बिना चुनौती के नहीं जाने देंगे.' रजनीकांत ने कहा, 'जेलर के ओटीटी पर रिलीज होने के बाद, मैंने फिल्म दोबारा देखी. अंत में, जब मैं वर्मा के किरदार को खत्म करने वाला था, तो वह कहता है कि एक बड़ा नेटवर्क है और वे उसे भी नहीं बर्खास्त देंगे. इसलिए, यह कहानी सीक्वल के लिए एकदम सही थी. नेल्सन ने फिल्म में वर्मा के रुबते के बारे में चुपके से सुराग छोड़े थे. उनके अंत, राष्ट्रीय व्यापारिक संबंध इतने मजबूत थे कि पुलिस भी उनसे डरती थी और फिर जेलर के पास मौजूद हजारों करोड़ रुपये के तीन कंटेनर भी थे. यकीनन, गिरोह इसे यूँ ही जाने नहीं देगा. रजनीकांत ने कहा, 'तो कहानी की बुनियाद एकदम सही है और आगे बताया कि जेलर को नागपुर जेल में मौजूद ताकतवर अपराधियों और डॉन का साथ भी मिला है. अभिनेता के लिए, इन क्लिप्स ने सीक्वल को एक स्वाभाविक शुरुआत दी, न कि इसे पहली फिल्म की सफलता का फायदा उठाने के लिए बनाई गई एक विस्तार फिल्म जैसा महसूस कराया. उन्होंने कहा, 'इसीलिए मैंने नेल्सन को फोन किया था. टाइगर मुथुवेल पांडियन के लिए आगे क्या है? नेल्सन द्वारा लिखित और निर्देशित, जेलर 2 का निर्माण कलानिधि मारन ने सन पिक्चर्स बैनर के तहत किया है और यह फिल्म 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. रजनीकांत टाइगर मुथुवेल पांडियन के रूप में वापसी कर रहे हैं, उनके साथ राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और ऋतिक भी हैं. इस सीक्वल में एसजे सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, सूरज वेंजारागुडु, विद्या बालन, अन्ना राजन और जतिन